मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 68
मंगलवार, 16 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आरजेडी और कांग्रेस के लिए सिर्फ अपने परिवार की चिंता ही सबसे बड़ा काम है : पीएम मोदी

पूर्णिया, 15 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्णिया जिला के सिकन्दरपुर, एस.एस.बी. ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विद्युत, रेलवे, एयरपोर्ट, आवासन एवं शहरी कार्य, जल शक्ति, ग्रामीण विकास, कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रों की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन, शुभारंभ, गृह प्रवेश तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.) के लाभों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अहां सबकै परनाम करे छियै। पूर्णिया मां पूरण देवी भक्त प्रहलाद, महर्षि मेहीं बाबा के कर्मस्थली छियै ई धरती पर फनीश्वरनाथ रेणु आरो सतीनाथ भादुड़ी जैइसन उपन्यासकार पैदा लेलकै। ई विनोबा भावे जैइसन कर्मयोगियों की कर्मस्थली छियै ई धरती के हम्में बार बार परनाम करई छियै। सबसे पहले मैं आप सबकी क्षमा मांगता हूं, कोलकाता में, मेरे कार्यक्रम में थोड़ा समय ज्यादा गया, और उसके कारण मुझे यहां पहुंचने में विलंब हुआ, उसके बावजूद भी इतनी बड़ी तादाद में आप लोग हमें आशीर्वाद देने के

लिए आए, इतने लंबा समय रुके हैं, मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं, और विलंब से आने के लिए मैं फिर एक बार जनता-जनार्दन के चरणों में क्षमा याचना करता हूं।आज यहाँ बिहार के विकास के लिए करीब 40 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। रेल, एयरपोर्ट, बिजली, पानी से जुड़ी ये परियोजनाएं, सीमांचल के सपनों को पूरा करने का माध्यम बनेंगी। आज यहाँ 40 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को पीएम-आवास योजना के तहत पक्का घर भी मिला है। इन 40 हजार परिवारों के जीवन में आज एक नई शुरूआत हुई है। धनतेरस से पहले, दीवाली से पहले, और छठ पूजा से पहले, अपने पक्के घर में गृहप्रवेश बहुत सौभाग्य से होता है। मैं इन परिवारों को बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं।आज का ये अवसर मेरे उन बेघर भाइयों और बहनों को भरोसा देने का भी है। एक दिन उनको भी पक्का घर मिलेगा, ये मोदी की गारंटी है। हमारी सरकार ने पिछले 11 साल में 4 करोड़ से ज्यादा पक्के घर बनाकर गरीबों को दिए हैं। अब हम तीन करोड़ नए घर बनाने का काम कर रहे हैं। जब तक हर गरीब को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी रुकने या थमने वाला नहीं है। पिछड़े को प्राथमिकता, गरीब की सेवा, यही मोदी का लक्ष्य है।कॉंग्रेस और आरजेडी से न केवल बिहार के सम्मान को खतरा है, बल्कि बिहार की पहचान को भी खतरा है। आज सीमांचल और पूर्वी भारत में घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी का कितना बड़ा संकट खड़ा हो चुका है। बिहार, बंगाल, असम, कई राज्यों के लोग अपनी बहनों-बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। इसलिए ही मैंने लालकिले से डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है।

वक्फ अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय का आदेश लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत : रीजीजू

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है।

उच्चतम न्यायालय ने अधिनियम के कई अहम प्रावधानों पर रोक लगा दी है, जिनमें वह धारा भी शामिल है, जिसमें केवल वैसे लोगों को किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित करने की अनुमति दी गई थी, जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। हालांकि, अदालत ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा, मेरा मानना है कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय हमारे लोकतंत्र के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि अधिनियम के प्रावधान पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए लाभकारी हैं।

मंत्री ने कहा, वक्फ बोर्ड के माध्यम से संपत्ति पर कब्जा करने सहित होने वाले दुरुपयोग पर अब इस नए कानून के जरिए रोक लगेगी। उच्चतम न्यायालय पूरे मामले से भलीभांति अवगत था।

भारी बारिश के कारण मालगाड़ी रुकी, मध्य रेलवे की उपनगरीय ट्रेन सेवाएं प्रभावित

ठाणे, 15 सितम्बर। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मध्य रेलवे मार्ग पर एक मालगाड़ी के पटरी पर फंस जाने के कारण, पहले से ही देरी से चल रहीं लोकल ट्रेन सेवाएं और ज्यादा प्रभावित हो गईं। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जिले में भारी बारिश के कारण पहले से ही ट्रेन सेवाएं प्रभावित हैं। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि अपराह्न करीब 12.55 बजे पहिया फिसलने के कारण बादलपुर और अंबरनाथ रेलवे स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी रुक गई।

प्रवक्ता ने कहा, बारिश और पहिया फिसलने के कारण ट्रेन सीएसएमटी जाने वाले ट्रैक पर

रुक गई है। एक सहायक इंजन भेजा गया है और उसे आगे बढ़ाया जा रहा है। दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) जाने वाली लोकल ट्रेनों में यात्री फंस गए जिसके कारण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ बढ़ गई। दादर, बायकुला, मस्जिद, कुर्ला, सायन और अन्य रेलवे स्टेशनों के पास निचले इलाकों में भारी बारिश के परिणामस्वरूप पटरियों पर और पानी जमा होने के कारण सुबह से ही स्थानीय ट्रेनें, विशेष रूप से मुख्य लाइन (सीएसएमटी से कसारा) पर देरी से चल रही थीं।

बिहार एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को कड़ा संदेश, अगर गड़बड़ी हुई होगी तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर देंगे

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अगर उसे भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा अपनाई गई 'कार्यप्रणाली में कोई अवैधता' मिलती है, तो वह चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को 'रद्द' कर देगा। 7 अक्टूबर को दलीलों की अंतिम सुनवाई की तारीख तय करते हुए, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह इस मामले पर कोई 'टुकड़ों में राय' नहीं दे सकता और अंतिम फैसला पूरे देश में मतदाता सूची के लिए लागू होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो

सदस्यीय पीठ ने आगे कहा कि वह यह मानकर चलती है कि चुनाव आयोग, जो एक संवैधानिक संस्था है, पूरी बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान कानून और अनिवार्य नियमों का पालन करेगा। शीर्ष अदालत ने 8 सितंबर के अपने उस आदेश को भी संशोधित करने से इनकार कर दिया जिसमें चुनाव आयोग को बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण में आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया गया था।शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि ड्राइविंग लाइसेंस जाली हो सकते हैं... राशन कार्ड जाली हो सकते हैं। कई दस्तावेज जाली हो सकते हैं। आधार का इस्तेमाल कानून की अनुमति के अनुसार ही किया जाना चाहिए। हम इस मामले पर 7 अक्टूबर को सुनवाई करेंगे। इस बीच, आप सभी अपनी दलीलों का एक संक्षिप्त नोट तैयार करें। 8 सितंबर को, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर अभियान में मतदाताओं के पहचान प्रमाण के रूप में आधार कार्ड को शामिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही, उसने मतदाताओं से आधार कार्ड स्वीकार न करने पर चुनाव अधिकारियों को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर भी चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण माँगा था। सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा था कि आधार कार्ड जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और अधिनियम की धारा 23 (4) से अलग नहीं है।

अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि हम भारत के चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों को निर्देश देते हैं कि वे बिहार राज्य की संशोधित मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के लिए आधार कार्ड को पहचान के प्रमाण के रूप में स्वीकार करें। इस उद्देश्य के लिए, अधिकारी आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में मानेंगे।

बिहार में अमित शाह फूँकेंगे चुनावी रणभेरी, कार्यकताओं में भरेंगे जीत का जोश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 18 सितंबर को बिहार के एक महत्वपूर्ण दौरे की तैयारी कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य भाजपा कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाना और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाना है। शाह का यह दौरा भाजपा की गहन तैयारियों का हिस्सा है, जो इस महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के हालिया दौरों के बाद गति पकड़ रहा है। शाह की बैठक दो सत्रों में विभाजित होगी, जिसमें पहला सत्र डेहरी-ऑन-सोन, रोहतास जिले के कार्यकताओं के साथ बातचीत के लिए समर्पित होगा और दूसरा सत्र बेगूसराय के कार्यकताओं पर केंद्रित होगा, जो भाजपा द्वारा बिहार के लिए निर्धारित पाँच क्षेत्रों में से एक है।

भाजपा सूत्रों ने एएनआई को बताया कि भाजपा ने बिहार को पाँच क्षेत्रों में विभाजित किया है और शाह इनमें से दो क्षेत्रों के नेताओं के साथ चुनावी रणनीतियों और तैयारियों पर चर्चा करेंगे। शाह चुनावी रणनीतियों पर केंद्रित लगभग 2,000-2,500 भाजपा कार्यकताओं, जिनमें ज़िला अध्यक्ष और विधायक शामिल हैं, के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाना और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से लोगों से प्रभावी ढंग से जुड़ने के तरीके पर मार्गदर्शन प्रदान करना है। पार्टी की प्रचार रणनीति के तहत, बूथ नेता और कार्यकर्ता 18 से 25 सितंबर तक भाजपा सेवा पखवाड़ा के तहत घर-घर संपर्क अभियान चलाएंगे।

सरकार का पांच साल में वाहन क्षेत्र को शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्य : गडकरी

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि वाहन क्षेत्र सरकार को सबसे अधिक जीएसटी राजस्व देता है और रोजगार के अवसर पैदा करता है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य पांच साल के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष स्थान वाला बनाना है। गडकरी ने बताया कि देश में दुनिया की सभी बड़ी वाहन कंपनियां मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार

संभाला था, तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था। अब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपये है।इस समय अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये है। उसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपये) और भारत (22 लाख करोड़ रुपये) का स्थान है। मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, हमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अच्छा बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा।

विश्व ओजोन दिवस– 16 सितम्बर, 2025

ओजोन परतः जीवन की ढाल और उसके संरक्षण का संकल्प

-ललित गर्ग

ओजोन परत पृथ्वी पर मानव जीवन की ढाल है, क्योंकि यह समताप मंडलीय परत पृथ्वी को सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी विकिरण से बचाती है। सूर्य के प्रकाश के बिना मानव, प्रकृति एवं जीव-जंतुओं का जीवन को संभव नहीं है, लेकिन सूर्य की सीधी किरणें मानव के लिये हानिकारक भी है, इन हानिकारक किरणों से ओजोन परत ही रक्षा करती है, जीवन को संभव बनाती है। धरती पर बढ़ रही पर्यावरण विनाश की गतिविधियों के कारण ओजोन परत का क्षरण होने लगा, जब 1970 के दशक के अंत में वैज्ञानिकों को पता चला कि मानव निर्मित प्रकृति दोहन इस सुरक्षा कवच में छेद कर रही है, तो उन्होंने चिंता जताई। ओजोन परत में यह छेद दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे एयरोसोल और शीतलन उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली ओजोन-क्षयकारी गैसों (ओडीएस) के कारण हो रहा था, जिससे त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद के मामलों में वृद्धि और पौधों, फसलों और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाने का खतरा पैदा कर रहा था। ओजोन परत का क्षरण एक गंभीर खतरा एवं चुनौती के रूप में सामने आया। इसलिये वियना कन्वेंशन में ओजोन के संरक्षण के लिये प्रतिवर्ष विश्व ओजोन दिवस मनाया जाने लगा। इस वर्ष हम वियना कन्वेंशन की 35वीं वर्षगांठ और वैश्विक ओजोन परत संरक्षण की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हर साल, विश्व ओजोन दिवस वर्तमान चुनौतियों और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अनूठी थीम पर मनाया जाता है।

2025 का आधिकारिक थीमःजीवन के लिए ओजोनह्न है। यह थीम हमारे ग्रह के लिए एक प्रभावी एवं रक्षात्मक ढाल के रूप में ओजोन परत के निरंतर महत्व पर प्रकाश डालती है और मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की वैश्विक सफलता और भविष्य की संभावनाओं का जश्न मनाती है।

पृथ्वी की सतह से 10 से 40 किलोमीटर ऊपर समताप मंडल में स्थित ओजोन परत हमें हानिकारक पराबैंगनी विकिरण (यूवी रेडियेशन) से बचाती है। यह सुरक्षात्मक परत, जिसे स्ट्रैटोस्फेरिक ओजोन या अच्छी ओजोन के रूप में जाना जाता है, मोतियाबिंद और त्वचा कैंसर जैसे प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को रोकती है तथा कृषि, वानिकी और जलीय जीवन की रक्षा करती है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि ओजोन परत केवल एक वैज्ञानिक शब्द नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा कवच है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1994 में स्थापित, यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की तिथि को चिह्नित करता है, जो एक महत्वपूर्ण घटना थी जब दुनिया ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों को नियंत्रित करने के लिए एकजुट हुई थी। ओजोन परत पृथ्वी के समताप मंडल में स्थित है और सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है, जिससे इसका संरक्षण सभी प्रकार के जीवन के लिए आवश्यक है। इस दिवस का उद्देश्य ओजोन परत के क्षरण को रोकना और पर्यावरणीय संतुलन की रक्षा करना है। यदि यह परत क्षतिग्रस्त हो जाए तो पृथ्वी पर जीवन असुरक्षित हो जाएगा। महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रकृति हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त साधन देती है लेकिन लालच को पूरा करने के लिए नहीं। यही कथन आज ओजोन संकट की मूल जड़ को समझाता है।

ओजोन परत के क्षरण के मुख्य कारणों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) युक्त गैसें हैं जो फ्रिज, ए.सी., एरोसोल स्प्रे और फोम में प्रयुक्त होती हैं। वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषक, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा वनों की अंधाधुंध कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी इसके प्रमुख कारण हैं। इसका सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। त्वचा कैंसर और आँखों का मोतियाबिंद बढ़ रहा है, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है और बच्चों व बुजुर्गों में श्वसन संबंधी बीमारियाँ तेजी से फैल रही हैं। ओजोन क्षरण जलवायु परिवर्तन और मौसम की चरम स्थितियों को भी जन्म देता है। ग्लेशियर पिघलने की गति तेज हो रही है, समुद्र तल बढ़ रहा है जिससे तटीय शहर खतरे में हैं और बेमौसम बारिश, लू तथा चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाएँ आम होती जा रही हैं। पर्यावरण पर भी इसका गहरा असर देखा जा रहा है। पौधों की वृद्धि और फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जल-जीवों और समुद्री पारिस्थितिकी को हानि पहुँच रही है और जैव विविधता असंतुलित हो रही है। बढ़ते प्रदूषण और वाहन संकट ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। वाहनों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें और धुआँ न केवल वायु प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं बल्कि ओजोन परत को भी कमजोर कर रहे हैं। महानगरों में दमघोंटू धुआं, बदली हुई वर्षा प्रणाली और सांस की बीमारियाँ इसी का परिणाम हैं। इस संकट से निपटने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे। पर्यावरण-अनुकूल तकनीक का प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन और साइकिल जैसी स्वच्छ यातायात व्यवस्था का अपनाना, पेड़ लगाना और वनों का संरक्षण करना, सीएफसी और हानिकारक रसायनों पर नियंत्रण तथा सौर, पवन और जल जैसी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना आज की आवश्यकता है। ओजोन परत पृथ्वी के जीवन की प्राकृतिक ढाल है। यदि यह नष्ट हो गई तो जीवन की सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी।

ओजोन परत का संरक्षण एवं संवर्द्धन का संकल्प दर्शाता है कि विज्ञान द्वारा निर्देशित सामूहिक निर्णय और कार्रवाई ही प्रमुख वैश्विक संकटों का समाधान है। कोरोना वायरस महामारी जैसे महासंकटों ने इतनी सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयाँ पैदा की हैं, ओजोन संधियों का सद्भाव और सामूहिक भलाई के लिए मिलकर काम करने का संदेश पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हो गया है। इस दिवस का नारा, ह्यजीवन के लिए ओजोनह्न, हमें याद दिलाता है कि ओजोन न केवल पृथ्वी पर जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए ओजोन परत की रक्षा करते रहना चाहिए। अध्ययनों से पता चल रहा है कि तापमान, पराबैंगनी विकिरण और वर्षा की आवृत्ति कुछ पौधों की प्रजातियों के जीवित रहने के लिए उपयुक्त आवासों की उपलब्धता या सीमा निर्धारित करने वाले प्रमुख कारक हैं। पराबैंगनी-बी विकिरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े कारक पौधों की वृद्धि, रोगाणुओं और कीटों से बचाव, और खाद्य फसलों की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मानव स्वास्थ्य पर, पराबैंगनी विकिरण के गंभीर नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं, हालाँकि, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ने बड़ी संख्या में मामलों और मौतों को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। प्रदूषण के संदर्भ में, पराबैंगनी विकिरण वायुमंडल में प्रदूषकों और गुणवत्ता पर; मानव, स्थलीय और जलीय पर्यावरण के स्वास्थ्य पर; गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह प्लास्टिक प्रदूषकों के विघटन को बढ़ावा देता है जिसका मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। शहरी और महाद्वीपीय स्तर के वायु प्रदूषण में यूवी विकिरण एक प्रमुख कारक है क्योंकि मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्सर्जित कई कार्बनिक यौगिक सौर यूवी विकिरण द्वारा विषाक्त उत्पादों में परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता कम हो जाती है और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचता है। यूवी विकिरण जलीय वातावरण में प्रदूषकों के विघटन का एक प्रमुख कारण भी है, जिससे विषाक्त और कैंसरकारी उत्पाद उत्पन्न होते हैं। वायु की गुणवत्ता क्षोभमंडल में सौर यूवी विकिरण पर निर्भर करती है और इस प्रकार समतापमंडलीय ओजोन परत की मोटाई पर निर्भर करती है तथा यह समतापमंडल से क्षोभमंडल तक ओजोन के परिवहन से प्रभावित होती है। ओजोन परत का संरक्षण और संवर्धन इसलिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यही परत सूर्य की घातक पराबैंगनी किरणों से धरती पर जीवन की रक्षा करती है। इसके बिना न तो मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है, न ही पृथ्वी पर हरियाली, जल और प्राणी जगत का अस्तित्व संभव है। ओजोन का क्षरण हमारे स्वास्थ्य, पर्यावरण और भविष्य तीनों के लिए खतरे की घंटी है, इसलिए विश्व ओजोन दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं बल्कि यह संकल्प लेने का अवसर है कि हम प्रदूषण को रोकेंगे, हरियाली को बढ़ाएँगे, ऊर्जा के स्वच्छ साधनों का प्रयोग करेंगे और इस जीवनदायिनी ढाल को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

प्रदूषण के खतरे से बचने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान देना जरुरी

अशोक भाटिया

प्रदूषण से लड़ने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (एश्२) पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि वे संचालन के दौरान शून्य टेलपाइप उत्सर्जन करते हैं, जिससे वायु प्रदूषण और कार्बन फुटप्रिंट कम होता है। इससे लोगों का स्वास्थ्य भी सुधरता है और ध्वनि प्रदूषण घटता है। हालांकि, एश्२ के निर्माण और ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में उत्सर्जन होता है, इसलिए हरित ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग और उत्पादन प्रक्रियाओं को टिकाऊ बनाना महत्वपूर्ण है।

इलेक्ट्रिक वाहनों का एक प्रमुख लाभ यह है कि वे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को काफी कम कर देते हैं। पेट्रोल और डीजल कारों के विपरीत, इलेक्ट्रिक वाहन शून्य टेलपाइप उत्सर्जन करते हैं, यानी वे वायुमंडल में कोई CO_2 नहीं छोड़ते। इससे वायु की गुणवत्ता में काफी सुधार होता है; और सभी के लिए सड़कें साफ रहती हैं। इसे समझने के लिए, पारंपरिक पेट्रोल कारें प्रति किलोमीटर लगभग 165 ग्राम CO_2 उत्सर्जित करती हैं, और डीजल कारें प्रति किलोमीटर लगभग 170 ग्राम CO_2 उत्सर्जित करती हैं। इसके विपरीत, इलेक्ट्रिक वाहन औसतन केवल 50 ग्राम CO_2 प्रति किलोमीटर उत्सर्जित करते हैं, जिसमें उत्पादित बिजली भी शामिल है। इसलिए, एक वर्ष में, केवल एक इलेक्ट्रिक वाहन औसतन 15 लाख ग्राम CO_2 बचा सकता है। यह लंदन से बार्सिलोना की चार वापसी उड़ानों के बराबर है। CO_2 उत्सर्जन में यह कमी पेट्रोल और डीजल कारों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों के व्यापक पर्यावरणीय लाभ को उजागर करती है।

पेट्रोल और डीजल कारों के विपरीत, जहाँ इंजन और एग्जॉस्ट से शोर उत्पन्न होता है, इलेक्ट्रिक वाहन लगभग शांत होते हैं, खासकर कम गति पर। इसके परिणामस्वरूप सड़कें शांत रहती हैं, जिससे शहरी क्षेत्र लोगों और वन्यजीवों, दोनों के लिए अधिक शांतिपूर्ण और सुखद बन सकते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीजल कारों की तुलना में ज्यादा ऊर्जा कुशल होते हैं क्योंकि ये कार की बैटरी से ज्यादा ऊर्जा को गति में परिवर्तित करते हैं। जहाँ पेट्रोल कारें गर्मी, घर्षण और अन्य अक्षमताओं के कारण अपनी लगभग 75-84% ऊर्जा बर्बाद करती हैं, वहीं इलेक्ट्रिक वाहन केवल 31-35% ऊर्जा ही बर्बाद करते हैं। इसलिए, इलेक्ट्रिक वाहन कम ऊर्जा हानि के जरिए कुल ऊर्जा की माँग को कम करने में मदद करते हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहनों को पर्यावरण के लिए एक बेहतर और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बनाता है।

देखा जाय तो ईवी बैटरियों का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण एक लगातार बढ़ता हुआ बाजार है। सेकेंड हैंड बैटरियों के उपयोग पर अनुसंधान, बिजली भंडारण जैसी नई तकनीकों में बैटरियों के पुनः उपयोग के तरीकों की तलाश कर रहा है। यह राष्ट्रीय ग्रिड को संतुलित करने और नवीकरणीय ऊर्जा को संग्रहीत करने में मदद कर सकता है, जिससे ईवी बैटरी उत्पादन का पर्यावरणीय प्रभाव कम हो सकता है। अध्ययन बताते हैं कि ऊर्जा भंडारण के लिए 50% एंड-लाइफ वाहन बैटरियों का पुनः उपयोग करने से 2030 में 96 GWh, 2040 में 3,000 GWh और 2050 तक 12,000 GWh की क्षमता मिल सकती है। इस संग्रहीत ऊर्जा का उपयोग पीक डिमांड के समय किया जा सकता है जब बिजली की कीमतें अधिक होती हैं, जिससे आपकी ऊर्जा लागत कम होती है। इसके अलावा, ऊर्जा भंडारण में वृद्धि के कारण, नवीकरणीय ऊर्जा अधिक विश्वसनीय हो सकती है। अंततः, घरों को ऊर्जा प्रदान करने वाली उन्नत वाहन-से-घर (श्२ल) तकनीकों के साथ , एक दिन हम सभी के पास अपनी ऊर्जा भंडारण इकाइयाँ हो सकती हैं। इससे न केवल अतिरिक्त बिजली मिलती है और ऊर्जा लागत कम होती है, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों के पुनः उपयोग का एक और अवसर भी मिलता है। घरेलू ऊर्जा भंडारण के लिए बैटरियों का पुनः उपयोग उनके जीवनकाल को बढ़ाता है, अपशिष्ट को कम करता है, और विनिर्माण के पर्यावरणीय बोझ को कम करता है। यह चक्रीय दृष्टिकोण बैटरी के अधिक टिकाऊ जीवनकाल को बढ़ावा देता है, और उत्पादन से होने वाले वर्तमान पर्यावरणीय नुकसान का प्रतिकार करता है। कुल मिलाकर, लिथियम-आयन बैटरी निर्माण पर विचार करने के बाद भी, इलेक्ट्रिक वाहन अभी भी एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प हैं। इनका जीवनकाल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में काफी कम है, जो उन्हें वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण बनाता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) से जुड़ी कुछ दिक्कतें भी हैं । जैसे चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, लंबी चार्जिंग में लगने वाला समय, सीमित ड्राइविंग रेंज, और उच्च प्रारंभिक लागत। इसके अलावा, बैटरियों का भारी वजन, उत्पादन से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव, मरम्मत और बैटरी बदलने का खर्च, तथा कुछ मामलों में अचानक आग लगने का खतरा भी प्रमुख चुनौतियां हैं। इन सब समस्याओं से निपटने के सरकार धयान दे रही है । बात करें मुंबई की तो मुंबई नगर निगम ने शहर में चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को विद्युतीकृत करने के लिए एक समर्पित इलेक्ट्रिक वाहन सेल लॉन्च किया है। एक अलग और निजी वाहन में ईवी खरीदने में एक बड़ा अंतर है। आज भी उसकी बहुत सी सीमाएं हैं। महाराष्ट्र सरकार 2020 में एक संशोधित ईवी नीति लेकर आई है। 2028 तक, मुंबई, पुणे और नासिक जैसे शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली पूरी तरह से विद्युतीकृत हो गई है, लेकिन इन सेवाओं को सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, लेकिन छोटी सार्वजनिक सेवाओं के बारे में क्या? क्या सरकार कम से कम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की राह पर है? इस विषय पर प्रकाश डालने का प्रयास पिछले सप्ताह विश्व ईवी दिवस पर जारी एक रिपोर्ट द्वारा किया गया है, जिसे पिछले सप्ताह मनाया गया था, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के समर्थन और ईवी पर स्विच करने की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला गया था। रिपोर्ट मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के बीच ईवी की भूमिका की पड़ताल करती है। अध्ययन से पता चला है कि मुंबई में 85% ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालक इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में जानते हैं, लेकिन कई अभी भी चार्जिंग सुविधाओं, वित्तीय सहायता और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्विच करने के इच्छुक नहीं हैं, जिसके परिणामस्वरूप मुंबई में एक स्थायी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बनाने की प्रक्रिया धीमी हो गई है।

हाल ही में यह अध्ययन पर्यावरण फाउंडेशन और क्लाइमेट रिसर्च कंसल्टेंसी के सहयोग से एएसईआर सोशल इम्पैक्ट एंड सस्टेनेबल मोबिलिटी नेटवर्क के सहयोग से आयोजित किया गया था। अध्ययन में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के सभी 24 वार्डों में कुल 1,200 ऑटो शामिल थे, ताकि शहर की परिवहन प्रणाली के अंतिम मील वितरण में ईवी के उपयोग की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया जा सके। रिक्शा और टैक्सी चालकों के वास्तविक साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। ओजीआईएस का उपयोग डिजिटल डेटा संग्रह और भौगोलिक विश्लेषण के लिए किया गया था। अध्ययन में 55% ऑटो-रिक्शा चालकों और 45% टैक्सी चालकों के साक्षात्कार के माध्यम से विभिन्न पहलुओं को समझने की कोशिश की गई। अध्ययन में मुंबई में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के पहले और अंतिम चरण में काम करने वाले रिक्शा और टैक्सी चालकों के प्रश्नों के महत्वपूर्ण रिकॉर्ड और सिफारिशें सामने आई हैं। वित्तीय सहायता और चार्जिंग के संबंध में उनकी चिंताएं वैध हैं, और उन्हें संबोधित करने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

इस समय पूरे महाराष्ट्र में चार्जिंग नेटवर्क स्थापित करने का काम जोरों पर है और सभी भागीदारों और हितधारकों के साथ वित्तपोषण के लिए नई सिफारिशों में तेजी लानी होगी। जबकि प्रदूषण मुक्त परिवहन प्रणाली की ओर बढ़ने का लक्ष्य बड़ा है, यह समावेशी होना चाहिए और हम सभी को मुंबई शहर के लिए एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में पाया गया है कि मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सियों को इलेक्ट्रिक रूप से आधारित बनाने के लिए प्रारंभिक उच्च लागत और चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमी प्रमुख बाधाएं हैं। कुल 64% ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों ने सब्सिडी वाले विकल्पों की खोज की है और 53% ने देखा है कि 53% आबादी के लिए बेहतर वित्तपोषण व्यवस्था एक सुचारू परिवर्तन, चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग नेटवर्क के लिए फायदेमंद है। इस बदलाव के लिए वित्तीय सहायता और एक कार्य योजना आवश्यक है, न केवल स्वच्छ हवा के लिए बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका के लिए भी। रिपोर्ट से पता चला है कि 62 प्रतिशत ड्राइवरों ने अपर्याप्त चार्जिंग सुविधाओं का हवाला दिया, 60 प्रतिशत ड्राइवरों ने कहा कि नए इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत बहुत अधिक थी, और 28 प्रतिशत ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि वाहन कितने किलोमीटर चलेंगे। जबकि 24% ड्राइवर रखरखाव की लागत के बारे में भी चिंतित थे, इनमें से कुछ ड्राइवर ईवी के प्रत्यक्ष लाभ देखते हैं, कई अभी भी वित्तीय बुनियादी ढांचे और नीति में अंतर के कारण इस विकल्प को अपनाने के बारे में संदेह कर रहे हैं। 39% ड्राइवरों को लगता है कि ईवी संचालित करना आसान और कम खचीर्ला है, और 39% को यह भी लगता है कि इससे उनकी आय में वृद्धि होगी। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 45% ड्राइवर अब ईवी उपयोग और रखरखाव प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट में ईवी के उपयोग को बढ़ाने के लिए कुछ प्रमुख सिफारिशें की गई हैं। उच्च मांग वाले क्षेत्रों में फास्ट चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग नेटवर्क जैसे अभिनव समाधान और वित्तपोषण के लिए कम ब्याज वाले ऋण और सब्सिडी तक आसान पहुंच आवश्यक है। झुग्गी-झोपड़ियों के साथ-साथ आरक्षित पार्किंग और चार्जिंग की सुविधा भी बनाई जाए, साथ ही दीर्घकालिक और स्पष्ट नीति बनाकर ड्राइवरों और निवेशकों को आश्वस्त किया जाए। पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करना भी समय की मांग है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ईवी को अपनाना केवल प्रौद्योगिकी या बुनियादी ढांचे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों, आजीविका और शहर की व्यवहार्यता के बारे में भी है। देश के प्रदूषण मुक्त गतिशील भविष्य के लिए योजना और योजना नीतियां महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

देश का राजनीतिक,आर्थिक और सामाजिक पुनर्जागरण

संजीव ठाकुर

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फल स्वरुप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक, जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई-नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है। भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है।

भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन-प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता-गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है। इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है।

संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन, ई-संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका, मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है।

नये भारत की संकल्पना और अवधारणा को केवल राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित परिसीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक फलक पर भी इसका गहरा असर और परिणाम परिलक्षित हुए हैं । भारत की महान अवार्चीन योग और आयुर्वेद जैसी परंपरा को वैश्विक स्तर प्रचारित प्रसारित कर नई अवधारणा तथा पहचान प्रदान की गई है। अयोध्या में राममंदिर निर्माण ने भारतीय परंपरा और धार्मिक-सांस्कृतिक आकांक्षाओं की विशाल अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय आख्यानों और इतिहास को नवीन स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को पुष्पित पल्लवित करने के प्रयासों को संपूर्ण प्रोत्साहन दिया गया। साथ ही, सांस्कृतिक कूटनीति नवीन अवधारणा के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ रूप से विस्तारित की है। हालाँकि, इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ अनेक कठिन एवं दुष्कर चुनौतियाँ भी रहीं हैं। बहुलतावाद और अल्पसंख्यक अधिकारों पर उठते सवाल तथा परंपरा बनाम आधुनिकता की खींचतान समाज में गूढ विचार विमर्श का विषय बनी रही।

आर्थिक पुनर्जागरण के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दशक में उल्लेखनीय और अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है । मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी (2017) ने कर संरचना को एकीकृत और पारदर्शी बनाया। जीएसटी को 2025 में 22 सितंबर से नवीन संशोधन कर एकदम सरल एवं स्पष्ट कर काफी हद तक सस्ता करके आम जन को बड़ी राहत पहुंचाई है। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और वढकने वित्तीय समावेशन और नकदी रहित लेन-देन की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाए।

स्टार्टअप इंडिया ने उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इसके परिणामस्वरूप भारत आज विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। विदेशी निवेश वृद्धि, रेलवे और सड़क निर्माण में गति तथा बिजली और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार इस आर्थिक पुनर्जागरण के प्रमुख संकेतक रहे।इसके बावजूद बेरोजगारी की समस्या, ग्रामीणझ्रशहरी असमानता और आय-विभाजन जैसी बड़ी और गंभीर चुनौतियाँ भारत देश के आर्थिक परिदृश्य को संतुलित होने से रोकती रही हैं। कृषि सुधार अभी तक आधे अधूरे रह गए और हरियाणा पंजाब तथा अन्य प्रदेशों में किसान आंदोलनों ने यह यह साफ तथा स्पष्ट संकेत दिया कि विकास की अवधारणा सबके लिए समान रूप से सुलभ नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य-

भारत ने पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान बनाई ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में भारत की भूमिका स्पष्ट हुई। 2023 में आयोजित ˘20 सम्मेलनों में भारत ने वैश्विक मुद्दों पर संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में 10 महत्वपूर्ण देशों के साथ 27 देशों ने भारत चीन और रूस पर अपना विश्वास जाहिर कर यूरोपीय शक्तियों एवं मनमानी का खुला विरोध किया है, जिसमें भारत पर अमेरिका द्वारा 50% लगाए गए टैरिफ का भी खुला विरोध हुआ है। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को और सशक्त मजबूत किया।पिछले दस वर्षों का भारत राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचारों से परिपूर्ण रहा है। यह अवधि भारतीय लोकतंत्र को नई परिभाषा देने, सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने और आर्थिक संरचना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रही। हालाँकि असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी विकराल चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं, फिर भी यह कहना उचित होगा कि यह दशक भारत के लिए राजनीतिक-सांस्कृतिक-आर्थिक पुनर्जागरण का समय रहा है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक शक्ति बना दिया है। भारत की सनातनी सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भारत की सामरिक शक्ति में इजाफा होकर पिछले एक दशक में भारतीय जनमानस की एकजुटता एवं देश के नेतृत्व की कार्य कुशलता के परिणाम स्वरूप भारत का सम्मान और कद वैश्विक परिदृश्य में काफी हद तक ऊंचा हुआ है।

2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति बोलेगा हिंदी

भाषा संवाद संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। मनुष्य को इसलिए भी परमात्मा की श्रेष्ठ कृति कहा जाता है कि वह भाषा का उपयोग कर अपने भावों को अभिव्यक्त करने में सक्षम है। यही विशेषता है, जो मनुष्य को अन्य प्राणियों से भिन्न करती है।

हिंदी एक बहुआयामी भाषा है। यह बात इसके प्रयोग क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए भी समझी जा सकती है। यह अलग बात है कि हिंदी भाषा की बात करते समय हम सामान्यतः हिंदी साहित्य की बात करने लगते हैं। इसमें संदेह नहीं कि साहित्यिक हिंदी, हिंदी के विभिन्न आयामों में से एक है, लेकिन यह केवल हिंदी के एक बड़े मानचित्र का छोटा-सा हिस्सा है, शेष आयामों पर कम विचार हुआ है और व्यावहारिक हिंदी की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए तो और भी कम विमर्श हमारे सामने हैं। यदि हिंदी भाषा के आंतरिक इतिहास का उद्घाटन करना हो तो नामकरण ही उसका आधार बन सकता है। हिंदी, हिंदवी, हिन्दुई और दकिनी के विकास क्रम में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि अलग-अलग समय में एक ही भाषा के भिन्न नाम प्रचलित रहे हैं। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी में होते रहे हों, लेकिन संपूर्ण राष्ट्र में आपसी संपर्क, संवाद, संचार, विचार, विमर्श, जीवन और व्यवहार का माध्यम हिंदी ही रही है।

इसे भी पढ़ेंः हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता के बावजूद देश में उपेक्षा क्यों?

भारतेंदु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के माध्यम से ही संपूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी कारण आजादी के पश्चात संविधान-सभा द्वारा बहुमत से हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। जैसे-जैसे भाषा का विस्तार क्षेत्र बढ़ता जाता है, वो भाषा उतने ही अलग-अलग रूप में विकसित होना शुरू हो जाती है, यही हिंदी भाषा के साथ हुआ, क्योंकि यह भाषा पहले केवल बोलचाल की भाषा तक ही सीमित थी। उसके बाद साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसे जगह मिली, और फिर समाचार-पत्रों में हिंदी पत्रकारिता का विकास हुआ। अपनी अनवरत यात्रा के कारण स्वतन्त्रता के बाद हिंदी, भारत की राजभाषा घोषित की गई तथा उसका प्रयोग कार्यालयों में होने लगा और हिंदी का एक राजभाषा का रूप विकसित हुआ। अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है। अक्सर ये प्रश्न पूछा जाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका जवाब बहुत पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिया था। महात्मा गांधी ने किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिये जाने के लिए तीन लक्षण बताए थे। पहला कि वो भाषा आसान होनी चाहिए। दूसरा प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए। और तीसरा उस भाषा को बोलने वालो की संख्या अधिक होनी चाहिए। अगर ये तीनों लक्षण किसी भाषा में थे, हैं और रहेंगे, तो वो सिर्फ हिंदी भाषा ही है। आज भाषा को लेकर संवेदनशील और गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। इस सवाल पर भी सोचना चाहिए कि क्या अंग्रेजी का कद कम करके ही हिंदी का गौरव बढ़ाया जा सकता है? जो हिंदी कबीर, तुलसी, रैदास, नानक, जायसी और मीरा के भजनों से होती हुई प्रेमचंद, प्रसाद, पंत और निराला को बांधती हुई, भारतेंदु हरिशचंद्र तक सरिता की भांति कलकल बहती रही, आज उसके मार्ग में अटकले क्यों हैं? यदि हम सच में चाहते हैं कि हिंदी भाषा का प्रभुत्व राजभाषा के रूप में बना रहे, तो हमें इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना होगा। सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसे में भरोसा फिर उन्हीं नौजवानों का करना होगा, जो एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार हैं। जो अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं। भरोसे और आत्मविश्वास से दमकते ऐसे तमाम चेहरों का इंतजार भारत कर रहा है। ऐसे चेहरे, जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करेंगे। जो अंग्रेजी में दक्ष होंगे, किंतु अपनी भाषाओं को लेकर गर्व से भरे होंगे। उनमें ह्यएचएमटीह्न यानी ह्यहिंदी मीडियम टाइपह्न या ह्यवनार्कुलर पर्सनह्न कहे जाने पर हीनता पैदा नहीं होगी, बल्कि वे अपनी भाषा से और अपने काम से लोगों का और दुनिया का भरोसा जीतेंगे। हिंदी और भारतीय भाषाओं के इस समय में देश ऐसे युवाओं का इंतजार कर है, जो अपनी भारतीयता को उसकी भाषा, उसकी परंपरा, उसकी संस्कृति के साथ समग्रता में स्वीकार करेंगे। जिनके लिए परंपरा और संस्कृति एक बोझ नहीं, बल्कि गौरव का कारण होगी। यह नौजवानी आज कई क्षेत्रों में सक्रिय दिखती है। खासकर सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में। जिन्होंने इस भ्रम को तोड़ दिया, कि सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में बिना अंग्रेजी के गुजारा नहीं है। ये लोग ही हमें भरोसा जगा रहे हैं। ये भारत को भी जगा रहे हैं। आज भरोसा जगाते ऐसे कई दृश्य हैं, जिनके श्रीमुख और कलम से व्यक्त होती हिंदी देश की ताकत है।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

- प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी

बच्चे ही हैं हिंदी का भविष्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, हिंदी साहित्य भारती, मुंबई और मरोल एजुकेशन एकेडमी हाईस्कूल एन्ड जूनियर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में मरोल एजुकेशन सोसाइटी के सभागृह में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री कृष्ण प्रकाश,अपर पुलिस महानिदेशक थे। विशिष्ट अतिथि श्री वसंत आर्य, सहायक आयकर आयुक्त, विद्यालय के प्राचार्य थॉमसकुट्टी पी. एस. मुख्याध्यापक भरत नायडू एवं अवधेश राय, राजेश मिश्र, रासबिहारी पाण्डेय और श्रीमती ममता राजपूत सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बच्चों के लिए भाषण और कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजित किया गया। कविता पाठ के निर्णायक श्री रासबिहारी पाण्डेय जी और श्रीमती ममता राजपूत थीं। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कार्यक्रम-संयोजक एड. राजीव मिश्र ने बताया कि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं। हिंदी भाषा के उन्नयन एवं संवर्धन हेतु विद्यार्थियों के मन में हिंदी के प्रति प्रेम और सम्मान जागृत करने की महती आवश्यकता है। कार्यक्रम में अंत में विजेता प्रतिभागियों को अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभागाध्यक्ष वीरबहादुर यादव ने किया।

अमृत महोत्सव अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण समारोह सम्पन्न

भायंदर (उत्तरशक्ति)। संयोग प्रकासन द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार तथा भोर भ्रमण परिवार के संस्थापक अध्यक्ष पंडित मुरलीधर पांडे के 75 वर्ष पूरा होने पर भायंदर पूर्व के आरएनपी पार्क स्थित संयोग प्रकासन कार्यालय में अमृत महोत्सव अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार गिरिजा शंकर तिवारी ने की। प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ.उमेश चंद्र शुक्ला, डॉ नित्या देवेश मणि त्रिपाठी तथा मारकंडे त्रिपाठी उपस्थित रहे। नीरज पंडित ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र त्रिपाठी ने किया। आयोजक तथा वरिष्ठ पत्रकार सुभाष पांडे ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों में काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी पुरुषोत्तम पांडे, भोरभ्रमण परिवार के , प्रोफेसर विजयनाथ मिश्रा, दिनेश दुबे, समाजसेवी अभयराज चौबे, सुशील त्रिपाठी, संजय दुबे , माता कृपाल उपाध्याय,उमाशंकर तिवारी ,प्रभाकर मिश्रा, बृजमनी दुबे, वीरेंद्र दुबे एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, बृजेश तिवारी, ,आरपी सिंह , प्रदीप सिंह, इंद्रभान सिंह, अजीत सिंह, राजीव मणि त्रिपाठी, देवेश मणि त्रिपाठी, डॉ. त्रैलोक्यमणि त्रिपाठी, संतोष मिश्रा, शिव पांडे, अनिल पांडे, श्रीराम दुबे, अजीत शुक्ला आदि का समावेश रहा।

स्वच्छ शौचालय, पेयजल हर नागरिक का अधिकार : एड . रवि व्यास

भायंदर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एड. रवि व्यास ने आज शास्त्री नगर झोपड़पट्टी का दौरा किया और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी शिकायतें सुनीं। नागरिकों ने सार्वजनिक शौचालयों की खराब स्थिति, पानी की कमी, स्वच्छता की दिक्कतें एवं अन्य नागरिक समस्याओं के बारे में बताया। इस अवसर पर उपआयुक्त सचिन बांगड़ तथा लोक निर्माण, जल आपूर्ति एवं स्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता भी उपस्थित रहे। स्थिति का निरीक्षण करने के बाद एड. व्यास ने संबंधित विभागों को तुरन्त और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। इस मौके पर एड. रवि व्यास ने कहा कि स्वच्छ शौचालय, पेयजल की आपूर्ति और उचित सफाई हर नागरिक का मूल अधिकार है। मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इन समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए और मैं स्वयं इसकी प्रगति पर नजर रखूँगा।एड. व्यास ने यह भी आश्वासन दिया कि वे मीरा-भायंदर के नागरिकों को बेहतर नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने कर्नाटक सरकार के साथ साझेदारी में पेश किया टीसीएस ग्रामीण आईटी क्विज का 26वां संस्करण

मुंबई/पटना। आईटी सेवा, परामर्श और व्यावसायिक समाधान के लिहाज से वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) (बीएसईः 532540, एनएसईः टीसीएस) और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी एवं बीटी विभाग ने घोषणा की है कि टीसीएस ग्रामीण आईटी क्विज कार्यक्रम के 26वें संस्करण के लिए पंजीकरण अब शुरू हो गए हैं। यह क्विज कार्यक्रम बेंगलुरु टेक समिट 2025 का अंग है और इसमें ऑनलाइन टेस्ट के साथ-साथ वर्चुअल तथा फिजिकल क्विज राउंड शामिल होंगे। देश भर के छोटे शहरों और ज़िलों के कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों को इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, यह क्विज नगर निगम की सीमा के दायरे में आने वाले स्कूलों के लिए उपलब्ध नहीं है।

टीसीएस ग्रामीण आईटी क्विज विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के प्रयोग और प्रौद्योगिकी परिवेश, व्यवसाय, इससे जुड़े लोगों, एआई और क्लाउड कंप्यूटिंग सहित नए रुझानों जैसे अन्य पहलुओं पर केंद्रित होगा।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जायेगा स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महात्मा गांधी जयंती (2 अक्टूबर) के उपलक्ष्य में हर वर्ष की तरह इस बार भी स्वच्छ भारत दिवस मनाया जाएगा। इसी क्रम में स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक जिलेभर में विशेष रूप से आयोजित किया जायेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति व्यवहारगत बदलाव लाना है। इस वर्ष की थीम स्वच्छोत्सव रखी गई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बताया कि ग्रामपंचायतों को इस अभियान की प्रभावी जिम्मेदारी निभानी होगी और अधिक से अधिक जनसहभाग सुनिश्चित करना होगा। गांव व तालुका स्तर पर स्वच्छता उपक्रम आयोजित किया जायेगा। अस्वच्छ स्थलों की पहचान, उनका मैपिंग और सफाई की जायेगी। सार्वजनिक स्थानों, संस्थानों, प्रतिष्ठानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में

सफाई अभियान चलाया जायेगा। सफाईमित्रों के लिए स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। तहसील स्तर पर डिग्निटी कैंप आयोजित कर स्वास्थ्य जांच और शासन की योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। क्लीन-ग्रीन उत्सव शून्य कचरा पद्धति से कचरे से कलाकृति, स्वच्छ स्ट्रीट फूड सेंटर, स्वच्छ सुजल गांवर जैसे जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। 25 सितंबर को एक दिन एक घंटा एक साथ संकल्प के तहत देशव्यापी श्रमदान, जिसमें जिले के सभी गांवों की भागीदारी अपेक्षित है। विशेष ग्रामसभाओं के माध्यम से गांवों को हागणदारीमुक्त, मॉडल गांव और स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया जायेगा। अभियान के सभी उपक्रम केंद्र सरकार के IT पोर्टल https://swachhatahiseva.gov.in पर अपलोड किए जाएंगे ताकि उस पर सीधी निगरानी रखी जा सके। सीईओ मनोज रानडे ने ग्रामपंचायतों, सार्वजनिक उत्सव मंडलों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, एन एस एस, एन सी सी के विद्यार्थी, सामाजिक संस्थाएं, महिला बचतगट और आम नागरिकों से अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान किया है। इस अभियान की रूपरेखा जल जीवन मिशन के प्रकल्प संचालक अतुल पारसकर के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।

गांव-गांव में स्थायी विकास के लिए 17 सितम्बर को होगा मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान का शुभारंभ

पालघर (उत्तरशक्ति)। राज्य सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान का शुभारंभ 17 सितम्बर से किया जा रहा है। यह अभियान 31 दिसम्बर 2025 तक चलेगा। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की कार्यक्षमता बढ़ाकर गांव-गांव तक विकास पहुँचाना तथा जनाभिमुख प्रशासन को और अधिक सक्षम बनाना इसका मुख्य उद्देश्य है। ग्रामपंचायतों के कामकाज के आधार पर पंचायत समितियों और जिला परिषदों को सम्मानित किया जाएगा। पालघर जिले में भी इस अभियान का प्रभावी तरीके से आयोजन किया जायेगा। जिले में इसका शुभारंभ 17 सितम्बर को सांसद, स्थानीय विधायक, जनप्रतिनिधि और विभाग प्रमुखों की उपस्थिति में होगा। अभियान के दौरान ग्रामपंचायतों की परख लोकाभिमुख प्रशासन, जल आपूर्ति प्रबंधन, स्वच्छता, सौर ऊर्जा का उपयोग, मनरेगा योजना का समन्वय, गांवस्तरीय संस्थाओं का सशक्तिकरण, आजीविका विकास और जनसहभागिता जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर होगी। इसके अलावा गांवों में सीसीटीवी कैमरे लगाना, ग्रामपंचायत की वेबसाइट तैयार करना, नागरिकों को प्रमाण पत्र आसानी से उपलब्ध कराना, घरपट्टी व पानीपट्टी की वसूली, बचत समूहों को मजबूत करना, एनीमिया मुक्त गांव अभियान और श्रमदान संस्कृति को प्रोत्साहन देने पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। बेहतरीन कार्य करने वाली संस्थाओं को करोड़ों रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि दी जायेगी।

मनपा चुनाव की तैयारी के लिए राकांपा व्यवस्थापन समिति की बैठक सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आगामी मुंबई मनपा की तैयारी में प्रमुख राजनीतिक दलों की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राकांपा की व्यवस्थापन समिति की बैठक पूर्व विधायक नवाब मलिक की अध्यक्षता में दक्षिण मुंबई में सम्पन्न हुई। बैठक में मनपा चुनाव की अग्रिम तैयारी को लेकर योजना बनाई गई। व्यवस्थापन समिति की बैठक में प्रमुख रूप से समिति के सदस्य व मुंबई के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी. कांबले, कार्यकारी अध्यक्ष शिवाजीराव नलावडे, प्रदेश प्रवक्ता संजय तटकरे, भास्करभाई विचारे, जिला अध्यक्ष महेंद्र पानसरे, नरेन्द्र राणे, बापू भुजबल बप्पा सावंत, नंदकुमार काटकर , शैलेश पेडणेकर, सुनीताताई शिंदे, सुरेखताई पेडणेकर शामिल थी। समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए नवाब मलिक ने कहा कि आगामी मुंबई मनपा चुनाव में हरसंभव सफलता हासिल करने की तैयारियों में नेता और कार्यकर्ता जुट जाएं।

संयुक्त मित्र मंडल गौरीपाड़ा ने स्वाभिमान श्री गणेश दर्शन प्रतियोगिता में जीता प्रथम पुरस्कार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा आयोजित स्वाभिमान श्री गणेश दर्शन प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह रविवार शाम पद्मानगर स्थित पद्मशाली समाज हाल में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में संयुक्त मित्र मंडल गौरीपाड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संयुक्त मित्र मंडल को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शिवसेना लोकसभा संपर्क प्रमुख मदन बुवा नाइक, शिवसेना जिला प्रमुख सुभाष माने, भाजपा शहर अध्यक्ष रवि सावंत, सामाजिक कार्यकर्ता साईनाथ पवार, राष्ट्रवादी कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल, आरएसएस शहर संघ चालक नरेश मारू, सार्वजनिक गणेशोत्सव महामंडल अध्यक्ष मदन भोई, अखिल पद्मशाली समाज अध्यक्ष रामकृष्ण पोट्टबत्तिनी और वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंह आदि अतिथियों के हाथों सभी मंडलों को नकद पुरस्कार और सम्मानचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बतादें कि पिछले 22 वर्षों से धामनकर नाका मित्र मंडल के अध्यक्ष संतोष शेट्टी द्वारा अन्य छोटे मंडलों को प्रोत्साहित करने के लिए श्री गणेश दर्शन स्पर्धा की शुरूआत किया था। इसके अलावा घरेलू गणेश सजावट को सम्मानित करने के उद्देश्य से पिछले वर्ष शुरू की गई तीन विभागों में स्तरीय घरेलू गणेश प्रतियोगिताओं के माध्यम से लगभग 400 घरेलू गणेश उत्सव का उपहार दिया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त मित्र मंडल गौरीपाड़ा को नकद 21 हजार, जय भारत मित्र मंडल पद्मानगर को नकद 15 हजार, ओंकार मित्र मंडल कोम्बड़पाड़ा को नकद 11 हजार रुपये दिया गया। प्रोत्साहन स्वरूप तेलुगु युवक मित्र मंडल कनेरी, शिव गणेश मित्र मंडल गणेश टाकीज पद्मानगर और मिलेनियम गाइज पद्मानगर को सर्वश्रेष्ठ गणेश मूर्तियों के लिए नकद पुरस्कार व सम्मानचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह पद्मानगर कामतघर, भादवड़ टेमघर और ग्रामीण में आयोजित घरेलू गणेश प्रतियोगिता में प्रथम 21 परिवारों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मंडल के पदाधिकारी दिलीप पोद्दार, मोहन बल्लेवार, राजेश शेट्टी, राकेश पटवारी और प्रतियोगिता आयोजन समिति के प्रकाश कोप्पलवार, अनिल शेट्टी, राम बूरा, प्रशांत पुजारी, ईश्वर पामू आदि लोगों के अथक प्रयास से कार्यक्रम को सफल किया गया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन मानसी राजे ने किया।

भाजपा की ओर से दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर मुंबई द्वारा दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय कार्यकर्ता अभ्यासवर्ग का आयोजन उत्तन के रामभाउ म्हालगी प्रबोधिनी के निवासी वर्ग में सम्पन्न हुआ।

जिलाध्यक्ष दीपक तावड़े (बाला) ने बताया कि दहिसर एवं चारकोप विधानसभा के नए नियुक्त पदाधिकारियों को भारतीय जनता पार्टी संगठन, विचारधारा, राजनैतिक सूझबूझ, आगामी मनपा चुनाव में महायुति के महापौर को मनपा में विराजमान करना, अनुशासन, वक्तृत्व एवं ऐसे अनेक पहलुओं पर भिन्न भिन्न सत्रों के द्वारा तैयार करने का कार्य इस अभ्यासवर्ग के जरिए हुआ।

सम्माननीय केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं महाराष्ट्र के शिक्षा संस्कृति मंत्री आशीष शेलार के हाथों अभ्यास वर्ग का दीप प्रज्वलन एवं वक्तव्य के साथ उदघाटन हुआ।

प्रदेश महामंत्री श्रीमती माधवी नाईक, मीडिया मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये, रा.स्व.संघ के रविन्द्र गोलिकर,अरुण करमरकर, पूर्व सांसद मनोज कोटक, विनोद शेलार, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता ज्येष्ठ नेता माधव भंडारी, विधायक योगेश सागर, मनीषा चौधरी, सोशल मीडिया के लिए प्रतीक करपे, गणेश खनकर जिलाध्यक्ष बाला तावड़े आदि का मार्गदर्शन इस अभ्यास वर्ग में भिन्न भिन्न सत्रों के जरिए हुआ।

समारोप मुंबई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विधायक एड.अमित साटम ने दहिसर और चारकोप विधानसभा का संयुक्त रूप में किया।

जिला महामंत्री निखिल व्यास, अलका कानबार,शरद साटम, सुनील कदम आदि पदाधिकारियों के संयोजन में अन्य व्यवस्था की जवाबदेही संभाली।

भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा द्वारा हर्षोल्लाश के साथ काटेकर घाट पर मनाया गया जीवित्पुत्रिका व्रत कार्यक्रम

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष मंगेश यादव द्वारा बडे हर्षोल्लाश के साथ जीवित्पुत्रिका (जिउतिया) व्रत के पावन पर्व पर भव्य सांकृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न किया गया। बतादें कि कामतघर क्षेत्र के वडालदेवी तालाब के काटेकर मैदान घाट पर व्रतधारी महिलाओं को पूजा अर्चना में कोई व्यवधान न हो इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान दिया गया था।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु उत्तर भारतीय समाज के बड़े उद्योगपति व पद्मावती डेवलपर्स और बिल्डर्स के मालिक सुजीत सिंह, उद्योगपति रमाकांत पांडा, एडवोकेट संजय श्रीवास्तव, कृष्ण गोपाल सिंह सहित उत्तर भारतीय समाज के दिग्गज समाज सेवक और भाजपा भिवंडी शहर अध्यक्ष रविकांत सावंत, पूर्व नगरसेवक नीलेश चौधरी, सुमित पाटिल, श्याम

अग्रवाल, संतोष शेट्टी, मनोज काटेकर, बालाराम चौधरी, राजू गजेंगी सहित कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने उपस्थित होकर शुभकामनाएँ दिये।

इस अवसर पर सैकड़ों मातृशक्तियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ व्रत एवं पूजन कर भगवान जीवित्पुत्रिका (जीउतिया) का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर माई म्यूजिक एंटरटेनमेंट की ओर से मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी भक्ति एवं उत्साह से भर दिया। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर का यह वार्षिक आयोजन न केवल मातृत्व और संतान-कल्याण की पावन परंपरा को जीवंत करता है बल्कि सांस्कृतिक एकता और समाजिक सौहार्द का भी अद्भुत संदेश प्रदान करता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की टीम, जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, अटल सेवा फाउंडेशन और नरेश झा फाउंडेशन का विशेष योगदान रहा है।

केडीएमसी द्वारा बनाया गया कचरा डंपिंग का विरोध

कचरा डंपिंग नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरा : भारत सोनवणे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्वे में होम बाबा टेकड़ी पर केडीएमसी की तरफ से डंपिंग प्रोजेक्ट बनाया जा रहा है क्या? ऐसा सवाल स्थानीय नागरिकों के मन में चल रहा है। क्योंकि सूचक नाका पानी की टंकी के पास पहाड़ी पर खाली जगह में महापालिका द्वारा कचरे का ढेर लगाया जा रहा है जिससे सूचक नाका परिसर के रहिवासियों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है। महापालिका की इस लापरवाही के खिलाफ आरपीआई आठवले गुट के युवक जिला कार्याध्यक्ष भारत सोनवणे ने आवाज उठाई है। होम बाबा टेकड़ी पर मौजूद पानी की टंकी से कल्याण-डोंबिवली शहर को बड़े पैमाने पर

पानी की सप्लाई होती है और उसके बगल में ही कचरे का ढेर होने से लोगों के स्वास्थ्य की समस्या खड़ी हो रही है। वहीं सूचक नाका क्षेत्र में दुर्गंध फैलने और बीमारियां फैलने की संभावना से स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर हो सकता है। इस कारण स्थानीय नागरिकों ने महापालिका के इस प्रोजेक्ट का विरोध जताया है।

अगर महापालिका ने यहाँ कचरा डालना तुरंत बंद नहीं किया तो नागरिकों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी आरपीआई के युवा पदाधिकारी भारत सोनवणे ने दी है।

भाजपा वसई विरार जिला सेवा पखवाड़ा बैठक संपन्न

वसई (उत्तरशक्ति)। एवरशाइन सिटी झ देश के लोकप्रिय एवं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक ₹सेवा पखवाड़ा₹ का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज वसई विरार जिला के वसई पूर्व दक्षिण मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी के केंद्रीय कार्यालय में किया गया। इस बैठक में सेवा पखवाड़ा के दौरान मंडल स्तर पर किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और सेवा गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा कार्यकताओं को उनके सफल आयोजन के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन करते हुए सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने सेवा पखवाड़ा के माध्यम से समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने की रणनीति पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला महामंत्री जोगेंद्र प्रसाद चौबे एवं मनोज बारोट, सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक दिलीप गायकवाड़, सह-संयोजक प्रवीण गावड़े, जिला सह-संयोजक शशिकांत दुबे, उत्तर भारतीय मोर्चा संयोजक प्रदीप पांडे, सोशल मीडिया संयोजक अभिषेक नाइक सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं, वसई पूर्व दक्षिण मंडल के अध्यक्ष उदय शेट्टी, मंडल समिति संयोजिका श्रीमती पूनम कुमार, मंडल महामंत्री किरण पवार सहित मंडल के उपाध्यक्ष, पदाधिकारी, सोशल मीडिया संयोजक, सह-संयोजक एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी इस बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य सेवा पखवाड़ा को मंडल स्तर पर अधिक प्रभावी बनाना तथा हर घर तक सेवा और सहयोग की भावना को पहुंचाना रहा।

डाबर और रेकिट ने पर्सनल केयर उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मीशो मॉल के साथ साझेदारी की

मुंबई/पटना। मीशो मॉल ने एफएमसीजी कंपनियों, डाबर एंड रेकिट के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी की मदद से उनके भरोसेमंद पर्सनल केयर उत्पाद पूरे भारत में उपलब्ध होंगे। इस सहयोग के साथ ही, ड्यूरेक्स, मूव, वीट, डेटॉल और डाबर जैसे लोकप्रिय ब्रांड खासकर टियर 2+ शहरों में मीशो के ग्राहकों को आसानी से मिल सकेंगे।

यह साझेदारी भारतीय परिवारों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद आसानी से उपलब्ध कराने की उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। मीशो मॉल पर उनके पोर्टफोलियो के विस्तार से पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स में मीशो मॉल की पहुँच मजबूत होगी। इस लॉन्च के एक महीने के अंदर ही प्लेटफॉर्म पर हेयर ऑयल, ओरल केयर, और पर्सनल हाईजीन जैसी श्रेणियों में तेज वृद्धि दर्ज हुई है। ज्यादातर ऑर्डर रुड़की, जबलपुर, थंजावुर, नासिक और शिलॉंग जैसे शहरों से मिले हैं। गौरतलब है कि अधिकांश नए शॉपर टियर 2 शहरों से हैं, जिससे इन शहरों में किफायती उत्पादों की बढ़ती मांग प्रदर्शित होती है। मीशो अपने प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त ब्रांड्स को शामिल करते हुए लगातार अपने उत्पाद संग्रह का विस्तार करने की योजना बना रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

काशी विश्वनाथ जा रही बस ने ट्रेलर में मारी टक्कर, 4 की मौत

सीहीपुर रेलवे क्रासिंग पर हुए भीषण हादसे में आधा दर्जन घायल

घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज, धार्मिक यात्रा पर निकले थे छत्तीसगढ़ के 50 दर्शनार्थियों की टोली

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अयोध्या से काशी विश्वनाथ बनारस के लिए छत्तीसगढ़ के लगभग 50 दर्शनार्थियों से भरी एक बस शहर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर रेलवे क्रासिंग पर सोमवार की तड़के करीब 3 बजे हादसे का शिकार हो गई। इस भीषण हादसे में दर्शनार्थियों से भरी बस सीधे ट्रेलर से जा टकराई। दुर्घटना में करीब 4 दर्शनार्थियों की मौत हो गई जबकि 7 दर्शनार्थियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि दर्जनों लोगों को मामूली चोटें आयी हैं। एसपी जौनपुर ने बताया कि प्रथम दृष्टया बस ड्राइवर की लापरवाही सामने आयी है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

धमाके जैसी आवाज सुनते ही दौड़ पड़े लोग: बता दें कि सीहीपुर रेलवे क्रासिंग पर तेज रफ्तार बस जो काशी विश्वनाथ बनारस जा रही थी अचानक ट्रेलर से जा टकराई। घटनास्थल से धमाके जैसी आवाज उठने से आस-पास के लोग तुरंत मौके पर दौड़ पड़े।

बस से चीख पुकार की आवाज सुन एक-एक करके सभी को बाहर निकाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम राहत कार्य में जुट गई। इस भीषण हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में घायल 9 लोगों को एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। श्रद्धालुओं का शव मर्चरी हाउस में रखवा दिया गया है और सूचना परिजनों को दे दी गई है।

बस चालक की लापरवाही आयी सामने: इधर घटना की जानकारी मिलते ही एसपी जौनपुर डा.कौस्तुभ पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। हादसे के चलते कुछ देर के लिए वाराणसी-लखनऊ मार्ग बाधित रहा। एसपी जौनपुर डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि प्रथम दृष्टया बस चालक की लापरवाही सामने आ रही है। फिलहाल पूरी जांच की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं ट्रेलर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। डीएम जौनपुर डॉ. दिनेश चंद्र ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का कुशलक्षेम पूछा और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिया।

मृतकों का नाम: आशा भवन 30 वर्ष पत्नी अमरिंदर निवासी गांधीनगर छत्तीसगढ़, गुलाबो 28 वर्ष पत्नी खुशहाल साहू छत्तीसगढ़, रेखा 55 वर्ष पत्नी बीपी छत्तीसगढ़, बस चालक महेश उम्र करीब 35 वर्ष।

घायलों का नाम: तुलसी 50 वर्ष पत्नी नेपाल सिंह मानिकपुर छत्तीसगढ़, सुमेश 25 वर्ष पुत्र ओमप्रकाश राजनंदगांव छत्तीसगढ़, लखन दास 65 वर्ष छत्तीसगढ़, संडे मंडल 40 वर्ष पत्नी देवरान मंडल, ब्रायन मंडल 65 वर्ष, सीमा दास 40 वर्ष पत्नी नरेश दास छत्तीसगढ़, गीता साहू 38 वर्ष पत्नी बिहू राम साहू।

सई नदी में डूबे युवक का शव 11 दिन बाद बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के फत्तूपुर घाट पर रविवार दोपहर करीब 3 बजे ग्रामीणों ने सई नदी में एक शव बहते देखा। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर थानाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाया। जांच में मृतक की शिनाख्त दयाशंकर चौहान (35 वर्ष) निवासी ग्राम मुडेलापुर, थाना तेजीबाजार, के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि दयाशंकर 3 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे गणपति मूर्ति विसर्जन के दौरान नदी में डूब गया था। शव 11 दिन बाद बरामद हुआ। घटना की जानकारी पाकर तेजीबाजार थाने के प्रभारी सत्येंद्र भाई पटेल भी मौके पर पहुंचे। ग्रामीण प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शव बहते समय उस पर एक कौवा बैठा हुआ था और नोच रहा था, जिसे देखकर लोग दहल उठे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेज दिया तथा परिजनों को सूचना दे दी है।

सड़क किनारे मृत अवस्था में मिला ट्रक चालक का शव

◆ खबर मिलते ही बाजार में मचा हड़कंप

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चोपन थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक ट्रक चालक का शव सड़क किनारे अऊंधे मुंह गिरा मिला। वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग स्थित सलखन ग्राम पंचायत के पास बने अंडर पास की घटना बताई जा रही है। जैसे ही शव मिलने की जानकारी स्थानीय लोगों में हुई तो हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों के बीच इस घटना को लेकर हत्या या दुर्घटना की आशंकाओं की चर्चा देखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मिली जानकारी के अनुसार चोपन थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक ट्रक चालक का शव सड़क किनारे मिला। वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर सलखन ग्राम पंचायत के पास यह घटना सामने आई। मृतक की पहचान विरु (35) के रुप में हुई है। वह कोटा-कनछ थाना चोपन का निवासी और बाबूराम का पुत्र था। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह जागने पर उन्होंने दूसरी लेन में ईंट से लदे ट्रक के पास चालक का शव देखा। स्थानीय लोगों के बीच इस घटना को लेकर हत्या या दुर्घटना की आशंकाओं की चर्चा देखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मृतक का ट्रक चोपन की ओर जा रहा था।

अवैध खनन पर वन विभाग की टीम ने मारा छापा, मौके से लोडर और ट्रैक्टर किया गया जब्त

चंदौली(उत्तरशक्ति)। चकिया तहसील क्षेत्र के चंद्रप्रभा रेंज अंतर्गत टकटकपुर गांव में हथिनी कम्पार्टमेंट नंबर एक में रविवार की दोपहर में वन विभाग की टीम ने अवैध मिट्टी खनन पर कड़ी कार्रवाई की। टीम ने मौके से अवैध खनन कार्य में लगे मिट्टी लोडर तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त कर लिया। वहीं अवैध तरीके से लगाए गए दर्जनों झोपड़ियों को गिराकर वन विभाग की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। विभाग की कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, दुलहिया दाई पहाड़ी के पीछे टकटकपुर गांव में बिना अनुमति मिट्टी निकालने की खबर मिली थी। चंद्रप्रभा रेंजर अखिलेश दूबे के नेतृत्व में टीम दोपहर में मौके पर पहुंची। वहां मिट्टी लोडर से बड़े पैमाने पर खुदाई और ट्रैक्टर-ट्रॉली से मिट्टी ढुलाई हो रही थी। टीम को देखते ही मिट्टी

वन भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

लोडर और ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर फरार हो गए। कार्रवाई के बाद मिट्टी लोडर मशीन और ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर रेंजरी कार्यालय लाया गया। रेंजर ने कहा कि बगैर परमिशन मिट्टी खनन करने वालों पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई तय है। रेंजर अखिलेश दूबे ने बताया कि वन क्षेत्र में अवैध खनन, मिट्टी ढुलाई या वनों की कटाई करना वन अधिनियम के तहत गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि जंगल और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है, ऐसे में बिना अनुमति खनन करने वालों को किसी हाल में नहीं छोड़ा जाएगा। इस कार्रवाई में डिप्टी रेंजर आनंद दुबे, वन दरोगा सच्चिदानंद, राम आशीष, आदित्य सिंह, अमित सिंह, संदीप, अमित यादव, आजाद सहित चकिया तथा चंद्रप्रभा रेंज के कई वनकर्मी शामिल रहे। जबकि ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से चोरी-छिपे मिट्टी खनन और ढुलाई का काम हो रहा था, जिससे वन भूमि को नुकसान पहुंच रहा था। उन्होंने विभाग की कार्रवाई की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि लगातार निगरानी से जंगल और पर्यावरण को बचाया जा सकेगा। वहीं वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे जंगलों को सुरक्षित रखने में सहयोग करें और किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तुरंत विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

संवेदना से ही वेदना की पीड़ा को समझा जा सकता है: डॉ.रसिकेश

नंगी तलवार भांजते बीच बाजार में दिखा मनबढ़ युवक

परिवार, मित्र और समाज की आत्महत्या रोकथाम में भूमिका विषयक परिचर्चा का आयोजन

विडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस ने युवक को धर दबोचा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह के अंतर्गत एक सार्थक और विचारोत्तेजक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। इसका विषय था,परिवार, मित्र और समाज की आत्महत्या रोकथाम में भूमिका। इस अवसर पर वक्ताओं ने मानसिक स्वास्थ्य, युवा वर्ग में बढ़ती निराशा, सोशल मीडिया के प्रभाव और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने कहा कि वर्तमान समय में युवा आभासी दुनिया में इतना उलझ गया है कि वह वास्तविक जीवन और संबंधों से कटता जा रहा है। यह सामाजिक अलगाव नकारात्मकता और आत्मघाती प्रवृत्ति को जन्म देता है। उन्होंने सुझाव दिया कि व्यक्ति को अपनी वेदना से संवेदना की ओर बढ़ना चाहिए। जिससे मानसिक लचीलापन और सहनशक्ति विकसित हो सके। प्रो. अजय प्रताप सिंह ने आत्महत्या रोकथाम में परिवार और मित्रों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एकाकी जीवन की बढ़ती प्रवृत्ति मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। प्रारंभिक स्तर पर संवाद, समझ और सहयोग आत्महत्या रोकने में सहायक हो सकते हैं। छात्र प्रतिनिधि अभिनव कीर्ति पाण्डेय (बीएएलएलबी) ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि उन्हें कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति से प्रेरणा लेने और जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता पर बल दिया। परिचर्चा का संचालन डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. अन्नू त्यागी ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर अपनी जिज्ञासाएं और विचार साझा किए।

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली अंतर्गत सुकृत पुलिस चौकी क्षेत्र के मधुपुर बाजार का लोगों के बीच एक खौफ करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। जहां एक युवक सरेआम नंगी तलवार भांजते घुमता दिखाई दिया। युवक की इस हरकत लोगों के बीच दहशत का माहौल बना दिया। बता दे कि मधुपुर बाजार दर्जनों गांवों का मुख्य बाजार है जिससे यहां अक्सर भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी रहती है, बाजार में एक युवक द्वारा नंगी तलवार भांजते हुए देख दर्जनों गांव के लोग घंटों हलाकान रहे। स्थानीय लोगों के द्वारा इसकी सूचना सुकृत पुलिस चौकी पर दे दी गई, सूचना पर मौके पर पहुंचे सुकृत चौकी के द्वितीय एस आई रामआसरे यादव व कांस्टेबल राहुल सरोज, कांस्टेबल सुंगध, सिपाही सोनू तथा अन्य सिपाही पहुंचे और माहौल को काबू में किया। कुछ ही देर बाद युवक को पुलिस ने धर दबोचा, हालांकि तब तक युवक का कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मनबढ़ युवक के पास और भी संदिग्ध हथियार होने की लोगों में चर्चा देखी गई। युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस।

लोको पायलट की हत्या के मामले में छठा आरोपी गिरफ्तार

◆ पूर्व में पांच आरोपी की हो चुकी है गिरफ्तारी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के जीयनपुर थाना क्षेत्र में लोको पायलट दुर्गेश कुमार की मारपीट के बाद इलाज के दौरान मृत्यु के मामले में पुलिस ने वांछित छठे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 15 सितंबर को सुबह 9:55 बजे श्रवण यादव (26 वर्ष), पुत्र विश्वनाथ यादव, निवासी बाजार खास, जीयनपुर को उसके घर से गिरफ्तार किया। इससे पहले इस मामले में पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। विदित हो कि 7 सितंबर को शाम करीब 5:48 बजे दुर्गेश कुमार ने अपने भाई अजीत कुमार को फोन पर बताया कि गणेश यादव, अजय यादव, श्रवण यादव, शेरू यादव, गोविंद यादव और ज्ञानेंद्र मिश्रा ने उनके साथ मारपीट की, जिसके बाद वे खेत के पास घायल अवस्था में पड़े हैं। अजीत और उनकी चाची पुष्पा देवी तुरंत मौके पर पहुंचे और दुर्गेश को अमीना तिब्बिया अस्पताल, जीयनपुर ले गए। वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में दुर्गेश ने दम तोड़ दिया। अजीत ने बताया कि 25 अगस्त को भी आरोपियों ने उनके भाई को जान से मारने की धमकी दी थी। अजीत कुमार की तहरीर के आधार पर थाना जीयनपुर में मामला दर्ज किया गया।

विवेचना क्षेत्राधिकारी सगड़ी अनिल कुमार वर्मा द्वारा की जा रही है। इसके पूर्व 10 सितंबर को पुलिस ने गणेश यादव, अजय यादव, शेरू यादव, गोविंद यादव और ज्ञानेंद्र मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। छठा आरोपी श्रवण यादव फरार था, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है।

घरेलू कलह से तंग आकर विवाहित समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद में दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में घरेलू कलह से तंग आकर विवाहिता समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर जान दे दी। इस घटना से परिजन में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुजानगंज क्षेत्र के सुल्तानपुर ग्राम सभा निवासी आशीष पटेल पुत्र अशोक पटेल 25 वर्ष रविवार की रात अपने घर में ही फांसी लगाकर आत्म लीला समाप्त कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार आत्महत्या की वजह पिता पुत्र के बीच हुए विवाद को बताया जा रहा है। पिता पुत्र दोनों ही रात में शराब के नशे में थे इस दौरान पिता पुत्र में किसी बात को लेकर बहस हो गई । जिसके बाद पिता पुत्र के बीच हुई धक्का मुक्की में मृतक के पिता अशोक के सिर में चोट आ गई । जब अशोक उपचार कराने के लिए डॉक्टर के पास गए उसी समय आशीष पटेल अपने कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर पंखे से टिल्लू की पाइप के सहारे लटक कर फांसी लगा लिया। मृतक की माता का भी बहुत पहले देहावसान हो चुका है, मृतक तीन भाइयों में मंझला था। मृतक की अभी शादी नहीं हुई थी। इस घटना की सूचना जैसे ही थाना अध्यक्ष सुजानगंज को मिली वैसे ही आनन फानन में थाना अध्यक्ष सुजानगंज मय फोर्स घटनास्थल पर पहुंचे तथा शव को अपने कब्जे में लेते हुए अंत्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इसी तरह मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सरायकाशी गांव में किसी बात से क्षुब्ध होकर एक विवाहिता ने अपने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की जानकारी सुबह लोगों को होते ही घर में कोहराम मच गया। उक्त गांव निवासी 25 वर्षीय रुची मिश्रा पत्नी अतुल कुमार इन दिनों अपने मायके में रह रही थी। पिता कुंज बिहारी मिश्रा धार्मिक कार्य हेतु गया जी (बिहार) गए हुए हैं। बीती रात किसी बात से क्षुब्ध होकर विवाहिता ने अपने मायके के घर में पंखे के सहारे चद्दर से फांसी लगा लिया। इसकी जानकारी घर वालों को सुबह जब हुई तो घर में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची मुंगरा बादशाहपुर पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर लाश को बाहर निकलवा कर अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। गया जी गए पिता को घटना की जानकारी होते ही वो गमगीन हो गए। घर में एकमात्र इसकी भाभी मौजूद थी। इसका करीब दो वर्ष पूर्व प्रतापगढ़ जिले में विवाह हुआ था। इस सम्बन्ध में मुंगरा बादशाहपुर के प्रभारी निरीक्षक केके सिंह ने भी घटना की पुष्टि की है।

पद्मश्री डा.रत्नप्पा कुम्भार की 116वीं जयन्ती धूमधाम से मनी

◆ स्वजातीय बन्धुओं ने राहुल प्रजापति को बनाया जिलाध्यक्ष

◆ धर्मेन्द्र प्रजापति को दी गयी महासचिव की जिम्मेदारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। महाराज दक्ष प्रजापति संघर्ष समिति जौनपुर के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारतीय संविधान निर्माण सभा के सचिव एवं पद्मश्री डा. रत्नप्पा कुम्भार (प्रजापति) की 116 वीं जयन्ती सोमवार को समारोहपूर्वक मनायी गयी। यह आयोजन नगर के रिवर व्यू के सभागार में मनाया गया जिसके मुख्य अतिथि गिरीश चन्द्र यादव राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोरमा मौर्या अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर, डा. आरके चक्रवर्ती नेत्र सर्जन लखनऊ और अजीत प्रजापति सदस्य माटी कला बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार रहे।

इस दौरान उपस्थित जनसमूह के बीच युवा पत्रकार राहुल प्रजापति को प्रजापति समाज का जिलाध्यक्ष चुना गया। साथ ही धर्मेन्द्र प्रजापति को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गयी। इस पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण करके स्वागत किया। वहीं नवचयनित जिलाध्यक्ष राहुल प्रजापति ने कहा कि समाज के पुरोधा जनों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी कर्मठता एवं ईमानदारी के साथ करूंगा। इस अवसर पर जनार्दन प्रजापति प्रमुख दक्ष आर्मी, डा. महेन्द्र प्रजापति जिला मंत्री भारतीय जनता पार्टी जौनपुर, अरूण प्रजापति जिला सचिव समाजवादी पार्टी, पवन प्रजापति, मोहित प्रजापति छात्र नेता टीडी कालेज, मोहन लाल प्रजापति, राम पलट प्रजापति, विजय प्रजापति, सुशील प्रजापति, अनिल प्रजापति सभासद सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

छात्रा के निधन पर सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में शोक सभा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र स्थित सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को शोक सभा आयोजित करके

मृतक छात्रा प्राची शुक्ला के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सरोखनपुर निवासी छात्रा प्राची शुक्ला बी.ए.तृतीय सेमेस्टर में अध्ययनरत थी। उसके आकस्मिक निधन से महाविद्यालय में शोक व्याप्त हो गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह, प्रो.धीरेन्द्र कुमार पटेल, डॉ.ओम प्रकाश दुबे, डॉ.कर्मचन्द यादव, डॉ.तिलक सिंह यादव, डॉ.रोहित सिंह, डॉ.अभिषेक गौरव, राजुल सिंह, डॉ.संतोष सिंह, डॉ.सौरभ सिंह परिहार सहित महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं द्वारा गहरा दुःख प्रकट किया गया।

दो वारंटी गिरफ्तार

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण मे थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-15.09.2025 को दो आरोपी .नन्दलाल पुत्र बंशी औसत 57 वर्ष , कमला देवी पत्नी नन्दलाल उम्र करीब 55 वर्ष निवासीगण मानीकला थाना खेतासराय जौनपुर सम्बन्धित वारन्ट मा0 न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जनपद जौनपुर सम्बन्धित मु0नं0 766/19 मे उनके घर से गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है ।

जौनपुर में हादसे के बाद प्रशासन बना सहारा

◆ श्रद्धालुओं को सुरक्षित बस से भेजा गया गंतव्य तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अयोध्या से दर्शन कर काशी जा रहे छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु सोमवार को जौनपुर के शिवापार बाईपास पर सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसे में जहां चार लोगों की मौत हो गई, वहीं चार लोग घायल होकर जिला अस्पताल में भर्ती हैं। इस दुखद घड़ी में प्रशासन ने संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए घायलों के इलाज और श्रद्धालुओं की देखभाल को अपनी पहली प्राथमिकता बना लिया। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ कुमार समेत आला अधिकारियों ने सुबह से ही स्वयं मोर्चा संभाल लिया। जिला अस्पताल में घायलों के उपचार की व्यवस्था की गई, वहीं सुरक्षित श्रद्धालुओं को पुलिस लाइन लाकर अस्थायी रूप से ठहराया गया। वहां उनके लिए नाश्ता, भोजन, पेयजल और फल जैसी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता और मुख्य सचिव के निदेशों के क्रम में प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी श्रद्धालु असहाय न महसूस करे। सहायक सम्भागीय अधिकारी जौनपुर की देखरेख में श्रद्धालुओं को सरकारी बस उपलब्ध कराई गई और भावनात्मक सहयोग के साथ उन्हें उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। उनकी सुरक्षा और सहयोग के लिए दो पुलिसकर्मियों को भी साथ भेजा गया है। बस रवाना होते समय जिलाधिकारी ने स्वयं श्रद्धालुओं से संवाद किया, उनका हालचाल जाना और भरोसा दिलाया कि प्रशासन हर कदम पर उनके साथ है। हादसे के दुःख के बीच प्रशासन की तत्परता और संवेदनशीलता ने श्रद्धालुओं के चेहरों पर भरोसे की किरण जगा दी।

मीरा रोड में आयोजित धर्म संरक्षण सम्मेलन बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में धर्म संरक्षण के संकल्प के लिए आयोजित धर्म संरक्षण सम्मेलन अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित होकर नागरिकों तथा भक्तों और समाजबंधुओं ने धर्म संरक्षण का संकल्प दृढ़ किया। इस कार्यक्रम में हिंदुत्व विचारधारा को प्रस्थापित करने वाले श्री महेश शेट्टी, टेल्लार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनकी प्रेरणा से समाज में एकता, संस्कृति संरक्षण और धर्म के प्रति जागरूकता का संदेश इस सम्मेलन से स्पष्ट हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मान्यवरों, भक्तों और कार्यकर्ताओं का इस अवसर पर हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर आभार व्यक्त करते हुए स्थानीय भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि आपका उत्स्फूर्त सहयोग और निरंतर समर्थन ही हमारी असली ताकत है। धर्म, संस्कृति और परंपरा की रक्षा करने का संकल्प आज और अधिक मजबूत हुआ है।

बिना अनुमति पार्टी पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय सख्त, 12 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन ने रविवार को परिसर में बिना अनुमति पार्टी आयोजित करने के मामले को गंभीरता से लिया है। इस प्रकरण में विश्वविद्यालय ने 12 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले सुरक्षा सुपरवाइजर को तत्काल हटाने की संस्तुति की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार 14 सितंबर की रात कुछ कर्मचारियों ने मुक्तांगन परिसर में बिना अनुमति पार्टी/दावत का आयोजन किया। अगली सुबह परिसर में गंदगी पाई गई, जो कर्मचारियों की अनुशासनहीनता मानी गई। इस मामले में कुल 12 कर्मचारियों से तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाते हुए सुरक्षा एजेंसी के सुपरवाइजर पर कार्रवाई की है। नोटिस में कहा गया है कि पार्टी की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन या चीफ प्रॉक्टर को नहीं दी गई। इसे गंभीर सुरक्षा चूक मानते हुए विश्वविद्यालय ने उन्हें तत्काल हटाने की संस्तुति पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड को भेजी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की अनुशासनहीनता और सुरक्षा में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन द्वारा मस्ती की पाठशाला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन द्वारा जौनपुर जिले के रामपुर कस्बे के मई रामपुर गांव में ह्लमस्ती की पाठशालाह्व का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें पढ़ाई के साथ-साथ योग, खेलकूद और स्वादिष्ट भोजन का भी आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को नैतिक शिक्षा भी प्रदान की गई, जिससे उनमें अच्छे संस्कारों का विकास हो सके। यह पहल एनजीओ के स्वस्थ भारत, शिक्षित भारत मिशन के अंतर्गत की गई, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर फाउंडेशन के नवनियुक्त उत्तर प्रदेश डायरेक्टर श्री बिपिन कुमार राय ने अपनी नई जिम्मेदारी के लिए फाउंडेशन प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे उत्तर प्रदेश में मिशन के विस्तार और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही जौनपुर, भदोही, वाराणसी, मिजार्पुर सहित अन्य जिलों में प्रतिनिधियों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि मिशन को व्यापक स्तर पर गति मिल सके। फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज राय ने जानकारी दी कि मई रामपुर गांव में संस्था पिछले कुछ समय से सक्रिय रूप से कार्य कर रही है और शीघ्र ही मिशन का विस्तार अन्य गांवों में भी किया जाएगा। मस्ती की पाठशाला के सफल आयोजन में रवींद्र कुमार, लाल जी, शिक्षिका प्रियंका, साधना और चांदनी का विशेष योगदान रहा। यह पहल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है, जो ग्रामीण भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रख रहा है।

जीवन आधार वेलफेयर फाउंडेशन की काव्य संध्या सम्पन्न

-लाल शेखर सिंह

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में जीवन आधार वेलफेयर फाउंडेशन संस्था द्वारा अंधेरी-पूर्व स्थित जेबी नगर के सूर्या हॉल में एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साहित्यकार पवन तिवारी, साहित्यकार संतोष पांडेय और कृपाशंकर मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विविध विधाओं की कविताओं का पाठ किया गया। एक शाम जीवन आधार के नाम शीर्षक से आयोजित इस कवि सम्मेलन में अनेक जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। पूर्व गवर्नर लायंस क्लब मुंबई सुरेन्द्र नाथ वूकाडला अपनी पत्नी के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था के संरक्षक राजाभाई नायडू, संस्थापक-अध्यक्ष अजय तिवारी, कार्याध्यक्ष श्रीमती अंजली सिंह, कार्यक्रम प्रमुख सोमेन बनर्जी, राज उपाध्याय, गणेश जाधव, उमाशंकर पांडेय और विनोद मौर्या भी उपस्थित थे। पल्लवी रानी, रामस्वरूप साहू, ताबिश रामपुरी, हास्य कवि हंगामा आजमी आदि कवियों ने काव्य पाठ किया। इसके अतिरिक्त पूर्व नगरसेवक क्लाइव डायस, पूर्व नगर सेवक प्रमोद सावंत,जनप्रहार फाउंडेशन के अध्यक्ष रविकांत शुक्ला,पत्रकार एकता फाउंडेशन के अध्यक्ष तोषेश शुक्ला, जन प्रहार फाउंडेशन के अध्यक्ष रविकांत शुक्ला,समाज सेविका तरुणा कुंभार, साहित्यकार डॉ. नीलिमा पाण्डेय, समाजसेवक रमेश चौबे, विजय सिंह और दिनेश प्रताप सिंह ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने दी है।

स्वामीराज ग्रुप ने ठाणे वेस्ट में 180 करोड़ का प्रीमियम हाउसिंग प्रोजेक्ट किया शुरू

ठाणे। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन का एक रियल एस्टेट डेवलपमेंट ब्रांड 'हाउस ऑफ स्वामीराज' ने ठाणे की मशहूर हाउसिंग सोसायटीज प्रकाश उल्हर और सरगम उल्हर के साथ 180 करोड़ रुपये का समझौता किया है। यह प्रोजेक्ट ठाणे वेस्ट की पोखरण रोड के पास 2,000 वर्गमीटर जमीन पर बनाया जाएगा। समझौते के दौरान डॉयरेक्टर जेसन सैम्युअल, अजय केदारे, गॉर्डन मोंटेरो और राजेश वायल मौजूद थे। यह समझौता पिछले तीन महीनों में ग्रुप की दूसरी बड़ी उपलब्धि है। यह प्रोजेक्ट ठाणे के सबसे पसंदीदा रिहायशी इलाकों में से एक में बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों की बढ़ती जरूरत को पूरा करना है ताकि लोगों को आआधुनिक डिजाइन और बेहतरीन लाइफस्टाइल वाले घर मिलें। यह हाउस ऑफ स्वामीराज की उस सोच को दर्शाता है जिसमें वे ऐसे प्रोजेक्ट बनाना चाहते हैं जो खरीदारों और निवेशकों दोनों को लंबे समय तक फायदा दें। हाउस ऑफ स्वामीराज के डायरेक्टर जेसन सैम्युअल ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 180 करोड़ रुपये का यह समझौता सिर्फ एक और प्रोजेक्ट जोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खरीदारों और निवेशकों के भरोसे को दिखाता है। ठाणे अब सिर्फ मुंबई का उपशहर नहीं रहा, बल्कि यह आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और लाइफस्टाइल विकल्पों के साथ खुद एक बड़ा रिहायशी और बिजनेस हब बन चुका है। प्रीमियम हाउसिंग की बढ़ती मांग में लोग अब सिर्फ बड़े घर नहीं चाहते, बल्कि ऐसे क्वालिटी स्पेस चाहते हैं जो उनकी लाइफस्टाइल और लंबे समय तक वैल्यू को पूरा करें। पोखरण रोड पर बनने वाला यह प्रोजेक्ट इसी बदलाव को दर्शाएगा और डिजाइन, भरोसे और लाइफस्टाइल का मेल करके ठाणे में प्रीमियम लिविंग का नया स्टैंडर्ड स्थापित करेगा। ठाणे तेजी से टटफका रियल एस्टेट हॉटस्पॉट बन रहा है। यहां मकानों की कीमतें द2 2022 में लगभग ?13,550 प्रति वर्गफुट से द2 2025 में ?19,800 प्रति वर्गफुट तक तीन साल में 46% बढ़ी हैं। पोखरण रोड जैसे इलाकों में दाम और भी ज्यादा हैं, औसतन यहां ?20,700 प्रति वर्गफुट कीमत है।

निजामाबाद की सड़कों को बनवाने के लिए लापता सांसद-विधायक

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। निजामाबाद 15 सितम्बर 2025। किसान नेता राजीव यादव ने निजामाबाद की जर्जर सड़कों को बनवाने की मांग को लेकर लापता सांसद-विधायक, रोड नहीं तो वोट नहीं के बाद लाहीडीह बाजार में नकारा सांसद-विधायक लिखे बैनरों का स्वागत करते हुए इसे जनता की चेतावनी करार दिया है।

सोशलिस्ट किसान सभा महासचिव राजीव यादव ने कहा कि निजामाबाद की सड़कों को बनवाने के लिए पिछले दिनों हुई पदयात्रा के बाद पैदा हुई जन चेतना से जन प्रतिनिधियों को सम्बोधित बैनर इस बात की गवाही है कि जनता की बात विधायक, सांसद, एमएलसी नहीं सुन रहे है। सालों से झूठ बोल रहे जनप्रतिधि झूठ बोल रहे हैं कि सडक बनने वाली है। राजीव ने बताया कि पिछले दिनों मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग, आजमगढ़ से मुलाकात की तो उन्होंने बताया कि शासन द्वारा कोई बजट स्वीकृत नहीं है और उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि प्रस्ताव भेजें तो सडक का निर्माण शीघ्र होगा। किसान नेता राजीव यादव ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि जब बजट स्वीकृत नहीं तो कैसे सड़क का निर्माण होगा और जनप्रतिनिधि प्रस्ताव तक नहीं भेजे है। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी जब निजामाबाद की जर्जर सड़कों के निर्माण के सवाल पर सड़क सम्पर्क संवाद किया गया तो कहा जाने लगा की कार्ययोजना भेज दी गई है, जल्द टेंडर और कार्रवाइयाँ की जाएंगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। राजीव ने कहा कि 14 से 17 अगस्त की मुड़ियार से लाहीडीह होते हुए मिजार्पुर, शिवली से रानीपुर, बेगपुर होते हुए निजामाबाद और कबीर आश्रम त्रिमूहानी की पदयात्रा के बाद, जब ऐलान किया गया कि रोड नहीं बनी तो भीख यात्रा निकाली जाएगी तब मुख्यमंत्री द्वारा लोक निर्माण विभाग से प्रस्ताव मांगा गया। जिसपर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता ने आगणन रिपोर्ट बनाकर शासन को भेज दिया है और कहा कि शासन से बजट मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। किसान नेता राजीव यादव ने कहा कि जर्जर सड़कों की मांग को लेकर जनता का आक्रोश बढ़ता जा रहा है जिसे जनप्रतिनिधियों के खिलाफ लग रहे बैनरों से देखा जा सकता है। और यही नहीं लोग अपने घरों पर भी बैनर लगा रहे है। लाहीडीह बाजार में तो जनप्रतिधियों ने जनता और मीडिया के सवालों का जवाब भी सही से नहीं दिया। निजामाबाद की सड़क बनवाने की मांग जन आंदोलन बन गई है। जल्द से जल्द सडक निर्माण कराया जाए नहीं तो जन भीख यात्रा निकाली जाएगी। ये भीख यात्रा सवाल करेगी कि विधायक निधि, सांसद निधि और सरकार के खजाने में क्या निजामाबाद की जनता के बेहतरी के लिए पैसा नहीं रह गया है। क्या जनता जो टैक्स देती है उसे बेहतर रोड पर चलने का अधिकार नहीं है।

सुरेरी थाना क्षेत्र में जमीन विवाद में लाठी की पिटाई से एक अधेड़ की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र में जमीन विवाद में एक युवक की मौत हो गई। राईपुर गांव में 55 वर्षीय गजराज पाल की उनके पिता धनजीत पाल और भाई प्रेम पाल ने कथित तौर पर पिटाई कर दी। घटना रविवार की रात की है। गजराज पाल अपने पिता और भाइयों से अलग रहते थे। जमीन के बंटवारे को लेकर उनके बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। रविवार रात को किसी बात पर कहासुनी हुई, जो मारपीट में बदल गई।मृतक की बहू अनीता देवी के अनुसार, पिता और भाई ने लाठी-डंडों से गजराज की पिटाई की। उन्हें सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घर पर कोई नहीं होने के कारण इलाज में देरी हुई और रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।मौत के बाद आरोपी पिता और भाई शव को छिपाने की कोशिश करने लगे। वे शव को मैजिक वाहन में लेकर जा रहे थे, तभी किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने नई बाजार के बॉर्डर पर वाहन को रोका, जहां से चालक भाग निकला। पुलिय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक क्लिक पर अस्पताल में खाली बेड की मिलेगी जानकारी, घर बैठे ट्रॉमा सेंटर के वेबसाइट पर देख सकेंगे

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के आईएमएस बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में किस यूनिट में कितना बेड खाली है, कितने पर मरीज भर्ती हैं। अब इसकी जानकारी एक क्लिक पर घर बैठे मिल जाएगी। इस तरह की सभी जानकारी ट्रॉमा सेंटर की वेबसाइट https://trauma-centrebhu.com/#/bed-availability पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा परिसर में जगह-जगह क्यूआर कोड भी लगवाया गया है, जिसको स्कैन कर पूरी जानकारी ली जा सकेगी। इससे मरीजों, तीमारदारों को बेड के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। इसके अलावा विभागवार डॉक्टरों के नाम, उनकी उपलब्धता, मिलने वाली सुविधाओं के लिए भी भागदौड़ नहीं करनी होगी। ट्रॉमा सेंटर में वाराणसी सहित पूर्वांचल के अन्य जिलों, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश आदि

जगहों से सड़क एक्सीडेंट सहित अन्य घटनाओं में घायल मरीज आते हैं। यहां कुल 354 बेड पर इलाज की सुविधा है। आम तौर पर इमरजेंसी से लेकर आईसीयू और वार्ड में बेड खाली होने की सही जानकारी न मिलने पर दूर दराज से आने वाले मरीजों और तीमारदारों को भटकना पड़ता है। ट्रॉमा सेंटर प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह ने बताया कि अब वेबसाइट पर एक ही जगह डॉक्टरों के नाम, विभाग से जुड़ी जानकारी के साथ ही बेडों की उपलब्धता के साथ ही मरीजों, तीमारदारों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी 22 बिंदुओं में हिंदी और अंग्रेजी माध्यम में उपलब्ध है। वेबसाइट पर इमरजेंसी सहित कई नंबर दिए गए हैं, इसके माध्यम से जानकारी ली जा सकती है। इसमें ओपीडी के शेडयूल की भी जानकारी भी रहेगी।

यह जानकारी भी मिलेगी

किस डॉक्टर की किस दिन ओपीडी है। इसकी जानकारी भी रहेगी। ट्रॉमा सेंटर में मिलने वाली सभी सुविधाओं की जानकारी, इमरजेंसी में प्रतीक्षारत मरीजों की जानकारी भी यहां अपडेट होती रहेगी। बेड से जुड़ी हर जानकारी हर पांच मिनट पर अपडेट होती रहेगी।

मानीकलां में नया बिजली केबल भी निकला घटिया

-आफताब आलम

मानीकलां ,जौनपुर (उत्तरशक्ति) । शाहगंज तहसील क्षेत्र के कस्बा मानीकलां के सदर बाजार में बिजली विभाग की लापरवाही सामने आई है। यहां एलटी लाइन के जर्जर केबल को बदलकर 15 दिन पहले नया केबल लगाया गया था। लेकिन यह नया केबल भी दो बार जलकर सड़क पर गिर चुका है। सोमवार की शाम को एक बार फिर केबल में आग लगी। इससे आग के गोले जमीन पर गिरने लगे और आवागमन बाधित हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में घटिया क्वालिटी का केबल लगाया गया है। इससे कई बार बड़ा हादसा होते-होते बचा है।मानीकलां के कई गली-मोहल्लों में बिजली के केबल बेहद खराब स्थिति में हैं। अधिकारी से

15 दिन में दो बार जलकर गिरा, लोगों ने कहा- खराब सामान लगाकर किया गया धोखा

शिकायत के बाद भी नहीं बदला जा रहा है घटीया किस्म का लेबल ये केबल दिन में कई बार टूटकर गिर जाते हैं। लाइनमैन को सूचित करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती। मजबूरन गांव के लोग ही मिलकर टूटे केबल को जोड़ते हैं।नए केबल लगने के बाद स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि अब बिजली की समस्या दूर होगी और आवागमन में भी कोई खतरा नहीं होगा। लेकिन घटिया सामग्री के इस्तेमाल से लोगों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग समस्या से अवगत होने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

जौनपुर में प्रेमिका की जिद पर झुके दो परिवार मंदिर में हुई शादी

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी प्रेमी दूसरे गांव निवासी अपनी प्रेमिका से मिलने तीन दिन पहले पहुंचा, जहां पर प्रेमिका के स्वजन पहले से सतर्क थे तथा प्रेमी को पकड़ लिया। हालांकि सूचना पर प्रेमी के स्वजन भी मौके पर पहुंचे इस दौरान प्रियंका प्रेमी के साथ शादी की जिद पर अड़ गई जिस पर अंतत दोनों परिवारों को झुकना पड़ा और सोमवार को शादी नगर पंचायत गौरा बादशाहपुर के शिव मंदिर पर संपन्न हो गई तथा प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ खुशी-खुशी अपने घर चली गई। भदेवरा गांव निवासी खुशिहाल राजभर का प्रेम प्रसंग आरा गांव निवासी एक युवती से चल रहा था। शुक्रवार की रात खुशिहाल अपनी प्रेमिका से मिलने आरा गांव चला गया, जहां प्रेमिका

के स्वजनों ने उसे पकड़ लिया। इस बात की सूचना लगने पर भदेवरा गांव निवासी समाजसेवी सत्यानंद चौबे स्वजनों के साथ आर गांव पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने पर ले आई जहां प्रेमिका प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ गई। क्योंकि प्रेमी और प्रेमिका दोनों बालिग थे इसलिए पुलिस ने समझा बुझा कर दोनों के स्वजनों को विवाह हेतु राजी किया तथा एक हलफनामा बनवाकर दोनों पक्षों को घर भेज दिया गया। समाजसेवी सत्यानंद चौबे के प्रयासों से सोमवार को खुशिहाल की शादी उसकी प्रेमिका से हो गई तथा वह खुशी-खुशी प्रेमिका को लेकर अपने घर चला गया।

शिक्षा शेरनी का वह दूध है, जो जितना पियेगा है उतना ही दहाड़ता है: डा.जयसिंह राजपूत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षत्रिय स्वाभिमान जन जागरण अभियान के तहत ग्राम सभा मवई में जगत सिंह के आवास पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्षत्रिय विकास संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशिक सिंह तोमर के मार्गदर्शन एवं डा. नागेंद्र सिंह परमार द्वारा प्रदत्त पुस्तक तमाम बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करने के लिए वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षत्रिय विकास संस्था के प्रदेश प्रभारी डा.जय सिंह राजपूत ने अपने संबोधन में शिक्षा और स्वाभिमान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि शिक्षा शेरनी का वह दूध है जो जितना ही पीता उतना ही दहाड़ता है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि आप लोग अपने गौरवशाली इतिहास एवं पूर्वजों के प्रति भी जागरूक होने का कार्य कीजिए अन्यथा आने वाले समय में इतिहासचोर आपके इतिहास को ही मिटा देंगे,जिससे आपका अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। इस अवसर पर अखिलेश सिंह परमार, कालका सिंह परमार, मदन लाल सिंह परमार, प्रकाश सिंह परमार ,हरिश्चंद्र सिंह चौहान,विजय सिंह परमार, चंद्रभान सिंह परमार,आकांक्षा राजपूत, साक्षी सिंह,आंचल सिंह आदि तमाम महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे,संचालन वरिष्ठ समाजसेवी ठा.रतन सिंह परमार द्वारा किया गया।

पहली बार सिनेमा का आनंद उठा पाए कई छात्र और नागरिक

मोहीत दुबे

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा ईस्ट में आयोजित विशेष फिल्म प्रदर्शन ₹एक चतुर नार₹ ने विद्यार्थियों और आम जनता के चेहरे पर खुशियों की लहर दौड़ा दी। कई ऐसे लोग थे जिन्हें पहली बार सिनेमा हॉल में फिल्म देखने का अवसर मिला। उनकी आँखों में उत्साह, चेहरे पर मुस्कान और दिल में एक नई उम्मीद जगी।

इस विशेष आयोजन में लगभग 1,000 सीटें, जिनकी कुल लागत लगभग 3,00,000 थी, पर्ल एंड पीचेस (पूजा अग्रवाल जी) और स्वर्ण सफर फाउंडेशन (प्रभा मंगला जी एवं रुपेश अग्रवाल जी) के उदार सहयोग से उपलब्ध कराई गई।

इस आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान देने वाले राकेश पाटिल सर, आशुतोष सिंह सर, आलोक सिंह सर, शुभम सर, विशाल सर, अतुल मिश्रा सर, शिवा सर सहित सभी अन्य सहयोगी, जिन्होंने विद्यार्थियों को इस

डाबर रैड पेस्ट को आईडीए आगरा से मिला डेंटिस्ट मोस्ट ट्रस्टेड ओरल केयर ब्राण्ड' का अवॉर्ड

मुंबई। संपूर्ण सेहत के लिए मुँह की साफ-सफाई बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ हाल ही में दाँतों की देखभाल पर एक खास सेमिनार हुआ, जिसमें पूरे भारत से 300 से ज्यादा डेंटिस्ट शामिल हुए। इस कार्यक्रम में, डाबर रेड पेस्ट को इंडियन डेंटल एसोसिएशन आगरा की ओर से डेंटिस्ट्स मोस्ट ट्रस्टेड ओरल केयर ब्रांडह का अवॉर्ड मिला। यह सम्मान दिखाता है कि यह ब्रांड लोगों को अच्छी क्वालिटी के और भरोसेमंद उत्पाद देने के लिए कितना समर्पित है। आईडीए आगरा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में डेंटल प्रोफेशनल्स ने ओरल हाइजीन से जुड़े रूझानों पर रोशनी डाली। सत्र के दौरान नई तकनीकों पर प्रेजेन्टेशन्स दी गईं, चर्चा और विचार-विमर्श हुआ, साथ ही दांतों को स्वस्थ बनाए रखने में नैचुरल एवं आयुर्वेदिक इन्ग्रीडिएन्ट्स की भूमिका के बारे में जानकारी भी दी गई। डाबर रैड पेस्ट को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जाना, पारम्परिक आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान पर आधारित प्रभावी एवं भरोसेमंद ओरल केयर समाधान उपलब्ध कराने की डाबर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड में ओरल केयर के मार्केटिंग हैड प्रशांत अग्रवाल ने कहा, हमें गर्व है कि हमें इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड डाबर रैड पेस्ट में डेंटल प्रोफेशनल्स के भरोसे की पुष्टि करता है और दर्शाता है कि हम अपने उपभोक्ताओं को बेहतरीन ओरल केयर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं। आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और आधुनिक विज्ञान के अनूठे संयोजन से बना, क्लिनिकली प्रूवन रैड पेस्ट, दांतों की 10 समस्याओं से सुरक्षा देता है। डाबर रैड पेस्ट 13 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों जैसे लौंग, पुदीना, शुंठी, कपूर और तोमर से बना है, जिन्हें दांतों की 10 समस्याओं से सुरक्षा देने के लिए जाना जाता है। ब्राण्ड हमेशा से अपनी आयुर्वेदिक जड़ों के साथ जुड़े रहते हुए, इनोवेशन्स के साथ उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने में सफल रहा है।

कोलकाता महिला ने आपातकालीन सी-सेक्शन के बाद दुर्लभ टीबी हृदय जटिलता से पाई नई ज़िन्दगी

मुंबई। हावड़ा की ३२ वर्षीय महिला, जो अपनी चौथी गर्भावस्था (३५+ सप्ताह) में थीं और जिनकी ३ पूर्व की डिलीवरी बिना किसी जटिलता के हुई थी, को १ सितम्बर २०२५ को मणिपाल हॉस्पिटल साल्टलेक, (मणिपाल हॉस्पिटल्स नेटवर्क की एक इकाई और भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक) लाया गया। उन्हें डॉ. नंदिनी चक्रवर्ती, कंसल्टेंट ऑब्स्टेट्रिशियन, मणिपाल हॉस्पिटल साल्टलेक की देखरेख में भर्ती किया गया, जब उन्हें अचानक और गंभीर श्वसन-कष्ट (डिस्प्निया) की समस्या हुई। हालाँकि वह नियमित रूप से एक सरकारी अस्पताल में फॉलो-अप कर रही थीं, उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मणिपाल हॉस्पिटल में तत्काल उन्नत हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी।

रोगी का ट्यूबरक्युलर पेरिकार्डियल इफ्यूजन का इतिहास था (एक दुर्लभ स्थिति जिसमें क्षय रोग के कारण हृदय के चारों ओर तरल पदार्थ जमा हो जाता है)। उन्हें २०१९ में फेफड़ों की क्षय रोग हुई थी और वह ८ अगस्त २०२५ से एंटी-ट्यूबरक्युलर उपचार पर थीं। जाँच में पाया गया कि उनका हृदय बहुत कमजोर था और केवल लगभग ३०% क्षमता से पंप कर रहा था, साथ ही हृदय की मांसपेशियों की गति भी अत्यंत कम थी। भर्ती के समय रोगी की स्थिति गंभीर थी और प्रसूति जाँच में भ्रूण के विकास में रुकावट और भ्रूण संकट के संकेत मिले।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ऑब्स्टेट्रिक्स, कार्डियोलॉजी, गायनेकोलॉजी और एनेस्थीसियोलॉजी की टीमों ने तुरंत संयुक्त हस्तक्षेप की योजना बनाई। रोगी को स्थिर करने के लिए आईसीयू में स्थानांतरित किया गया। परिवार से विस्तृत परामर्श के बाद आपातकालीन सीजेरियन सेक्शन का निर्णय लिया गया।

काशी : पद्म विभूषण पं. छन्नूलाल मिश्रा आईसीयू में, हालत नाजुक पर सुधार के संकेत

वाराणसी। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुन्दर लाल चिकित्सालय में पद्म विभूषण शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्रा (89) गंभीर अवस्था में भर्ती हैं। उन्हें 13 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार पंडित जी पहले से टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, ऑस्टियोआर्थराइटिस और बीपीएच (प्रोस्टेट की समस्या) से पीड़ित हैं। इलाज के दौरान उन्हें बेडसोर से संक्रमण (सेप्टीसीमिया) हुआ, जिसके बाद एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस) और डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) की भी पुष्टि हुई। नॉन-इनवेसिव वेंटिलेटर पर रखे गए पंडित मिश्रा को एंटीबायोटिक, इंसुलिन और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही हैं। अस्पताल के अनुसार पिछले 24 घंटों में उनके महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानकों में स्थिरता और हल्का सुधार दर्ज हुआ है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। अस्पताल ने सभी शुभचिंतकों से प्रार्थना की है कि वे पंडित जी के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ करें और परिवार की गोपनीयता का सम्मान करें।

सेहत के लिए वरदान साबित होता है मोटे अनाज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा विकास खण्ड खुटहन स्थित बीआरसी सभागार में उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरुद्धार योजना अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय स्कूल अध्यापकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्री अन्न (मिलेट्स) के महत्व एवं उपयोगिता से अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक उप परियोजना निदेशक आत्मा डा0 रमेश चंद्र यादव ने अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि कुपोषण की मुश्किल चुनौती जो एक बड़ी आबादी को घेरे हुए हैं उससे छुटकारा पाने के लिए सबसे कारगर तरीका है मिलेट्स का सेवन। कभी हमारे जीवन में आहार का महत्वपूर्ण अंग होने वाले मोटे अनाज आज हमारे जीवन आधार से काफी दूर हो चुके हैं। हरित क्रांति से पहले यही मोटे अनाज हमारी जीवनशैली में शामिल थे, हमारे पुरखों की लंबी उम्र और सेहत का असली राज मोटे अनाज हुआ करते थे, जो उन्हें सर्दी, गर्मी और बरसात से बेपरवाह रखते थे। पौष्टिकता से भरपूर इन अनाजों को कम लागत पर उत्पादन किया जा सकता है। महंगाई के दौर में मोटे अनाज गरीबों की पौष्टिक भोजन की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं। मोटे अनाज अधिक रेशेदार होने की वजह से आंतों में रुकता नहीं है व कब्ज से बचाता है। माताएं अपने शिशु को भी पुराने समय में ज्वार व मक्के के आटे का घोल पिलाती थीं जो उनके लिए सुपोषक होता था। आजादी के बाद बाजारीकरण के कारण आम जनता का मोटे अनाजों की तरफ से मोहभंग हो गया। इस दौरान एक फसली खेती को बढ़ावा मिला उसमें धान एवं गेहूं की केंद्रीय भूमिका हो गई नतीजा कृषि योग्य भूमि से मोटे अनाजों की पैदावार उत्तरोत्तर कम हो गई। देहाती भोजन समझकर जिस मोटे अनाज जई, बाजरा, ज्वार, जौ, सावा, कोदो, रागी को रसोई से बाहर कर दिया गया था आज उसी अनाज को डॉक्टरों एवं वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणित किए जाने के बाद बड़ी-बड़ी कंपनियां इन अनाजों के पैकेट बाजार में उतार रही है जो अब हर वर्ग शौक से खरीदता है अगर आज की मानव पोषण की जरूरतों को समझा जाए तो मोटा अनाज हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अध्यापक अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को श्री अन्न की उपयोगिता से जागरूक करें ताकि उनके परिजन श्री अन्न की खेती करें, श्री अन्न को एमडीएम में भी शामिल किया जाएगा जिससे जनपद में मिलेट्स के उत्पादन को बल मिलेगा, मानव स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा किसानों की आमदनी बढ़ेगी। मोटे अनाज की उपयोगिता को देखते हुए सरकार ने श्री अन्न योजना का नाम दिया है। कृषि वैज्ञानिक डा. राजीव सिंह ने कहा कि दूसरे अनाजों की तरह श्री अन्न खीर, खिचड़ी, मिठाई, इडली, विस्कुट, स्नैक्स, चिक्की आदि रूपों में खाया जा सकता है, मिलेट्स कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक संघ के राजकुमार यादव तथा संचालन एडीओ एजी. विकास सिंह ने किया। इस मौके पर 50 शिक्षक एवं शिक्षिकाएं बेसिक शिक्षा विभाग से मौजूद रहे।

हरदीप पुरी ने दी योजनाओं को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य

वाराणसी. गंगा के पवित्र तट पर बसी काशी इन दिनों विकास की नई इबारत लिख रही है। सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में आयोजित डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी, दिशा समिति की बैठक इसका ताजा प्रमाण बनी। यह केवल आंकड़ों की पेशकश नहीं थी, बल्कि आने वाले वर्षों की योजना, संकल्प और जवाबदेही का सार्वजनिक दस्तावेज भी साबित हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने की। उनके शब्दों में दृढ़ता और चेतावनी दोनों थीं, ह्विकास योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे और क्रियान्वयन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित हो। यह केवल औपचारिक बयान नहीं, बल्कि उन अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के लिए संदेश था जिन पर काशी के भविष्य का खाका खींचने की जिम्मेदारी है।

पुरी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत निमार्णाधीन 531 परियोजनाएं हर हाल में मार्च 2026 तक पूरी हों। उन्होंने सड़कों की मरम्मत और जल आपूर्ति के साथ-साथ फ्लोटिंग जनसंख्या यानी प्रतिदिन आने-जाने वाले लाखों लोगों को भी योजना में शामिल करने का सुझाव देकर वाराणसी के बदलते स्वरूप पर दूरदृष्टि दिखाई।

बता दें, काशी की पहचान केवल घाटों और मंदिरों तक सीमित नहीं रही। यह शहर अब देश की विकास गाथा का धड़कता अध्याय है। दिशा समिति की यह बैठक हमें याद दिलाती है कि योजनाएं केवल बजट और समय-सीमा से पूरी नहीं होतीं; उनमें जनसहभागिता, पारदर्शिता और निरंतर निगरानी अनिवार्य है। मतलब साफ है विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का साझा संकल्प है। गंगा की तरह बहती यह प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब हम सब मिलकर इसकी धारा को स्वच्छ, संतुलित और निरंतर बनाए रखें।

मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में मनोविज्ञान जागरूकता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर के मनोविज्ञान विभाग में रविवार से मनोविज्ञान जागरूकता सप्ताह का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का परिचय दिया। आयोजन के प्रथम दिवस का विषय मनोविज्ञान का दैनिक जीवन में महत्व निर्धारित किया गया। इस विषय पर छात्र-छात्राओं ने आकर्षक चार्ट, बैनर और पोस्टर प्रस्तुत किए, जिनमें उनकी सोच, सृजनात्मकता और प्रस्तुति कौशल स्पष्ट झलकते रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. अब्दुल हलीम हाशमी एवं डॉ. प्रेमलता गिरी शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की शैक्षणिक दृष्टि और रचनात्मक क्षमताओं को नई दिशा देती हैं। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. नगमा यासमीन, डॉ. कमरूद्दीन शेख, डॉ. निलेश सिंह, डॉ. इलियास, दिव्यानी सिंह, शिवानी सिंह और वसुधा श्रीवास्तव मौजूद रहे। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर स्तर पर खुशनुमा परवीन प्रथम, काजल विश्वकर्मा द्वितीय, आस्था यादव तृतीय और चांदनी चौधरी को सांत्वना पुरस्कार मिला। वहीं स्नातक स्तर पर नुदरत निगार प्रथम, छवि श्रीवास्तव द्वितीय, अंकिता तृतीय तथा शगुफ़्ता और सानिया को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। मनोविज्ञान विभाग की ओर से विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा गया कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक दृष्टि से समृद्ध करते हैं बल्कि उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने, सकारात्मक सोच विकसित करने और समाज के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा भी देते हैं। पूरे सप्ताह अलग-अलग विषयों पर विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिससे छात्रों में मनोविज्ञान विषय के प्रति गहरी समझ और जागरूकता विकसित हो सके।

किशोरी को लेकर भागा युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी बहुसंख्यक समुदाय का युवक अल्पसंख्यक समुदाय की नाबालिग प्रेमिका को लेकर एक सितंबर को फरार हो गया था। किशोरी के स्वजनों की सूचना पर पुलिस पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी हुई थी। मुखबिर की सूचना पर युवक को प्रेमिका सहित बरामद कर लिया गया। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण पुलिस काफी सतर्कता बरत रही है। थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी युवती के पिता अल्ताफ ने थाने में तहरीर देकर उसकी नाबालिग बेटी को दूसरे समुदाय के प्रेमी द्वारा भगा ले जाने का आरोप लगाया था। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करते हुए मुखबिर की सूचना पर प्रेमी को युवती के साथ रविवार की रात बरामद कर लिया। थाने पर लाकर किशोरी के स्वजनों को सूचना दी गई है। आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

साइबर अपराधी ने युवक को जेल भेजने की धमकी देकर मांगे साढ़े 11 हजार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद कस्बे के रसूलाबाद मुहल्ले में रहने वाले एक युवक को साइबर अपराधी ने फेसबुक पर अश्लील वीडियो देखने का आरोप लगाकर साढ़े 11 हजार रुपये की मांग कर डाली। रकम न देने पर आरोपी ने युवक को पुलिस द्वारा जेल भिजवाने की धमकी भी दी। मिली जानकारी के अनुसार, मुहम्मद शाहिद उर्फ शानू नामक युवक के फोन पर अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने शानू से कहा कि वह फेसबुक पर अश्लील वीडियो देखता है। जब शानू ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि वह केवल रील आदि देखता है, तब भी आरोपी उस पर दबाव बनाने लगा और कहा कि अगर जेल जाने से बचना चाहते हो तो तुरंत 11,500 रुपये मेरे द्वारा भेजे गए स्कैनर पर जमा करो, वरना पुलिस तुम्हारे घर पहुंच जाएगी और मुकदमा दर्ज होगा। कॉल करने वाला लगातार गाली- गलौज भी करता रहा। भयभीत शानू ने फोन काट दिया और पूरी घटना अपने परिचितों को बताई। जब परिचितों ने उस नंबर पर कॉल करने की कोशिश की तो नंबर बंद मिला। इसके बाद लोगों ने शानू को समझाया कि यह मामला साइबर ठगी का है और ऐसे अपराधियों से डरने की जरूरत नहीं है। ग्रामीण अंचल में इस तरह के साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में तुरंत पुलिस या साइबर सेल को सूचना देकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए, ताकि अपराधियों को पकड़ा जा सके और लोगों को धोखे से बचाया जा सके।

चौकी से महज 100 मीटर दूर किराना दुकान में लाखों की भीषण चोरी

जलालपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के परऊगंज बाजार में बीती रात चोरों ने एक किराना दुकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह है कि यह घटना पर परऊगंज पुलिस चौकी से मात्र 200 मी की दूरी पर हुई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने दुकान की छत का पटिया हटाकर भीतर प्रवेश किया । दुकान में रखी लगभग डेढ़ लाख रुपए की नकदी समेत लाखों रुपए मूल्य का सामान उठा ले गए चोरी की यह वारदात रात के अंधेरे में अंजाम दी गई ,जब पूरा बाजार बंद था और गलियों में सन्नाटा पसरा था घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी है फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम को भी बुलाया गया है । आसपास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खोजी जा रही है। लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। इस वारदात से स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्र मैं वीडियो से दहशत फैल गई है व्यापार मंडल ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई है और पुलिस प्रशासन से रात्रि ग्रस्त बढ़ाने की मांग की है । स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि परऊगंज पुलिस चौकी के पास इस तरह की घटना होना यह दशार्ता है कि चोरों के हौसले कितने बुलंद है और पुलिस की सक्रियता पर सवालिया निशान लगता है।

एग्रीजंक्शन लाभार्थियों का 13 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, विकसित यूपी में उद्यमिता विकास की भूमिका अहम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा सोमवार को सिद्दीकपुर स्थित आरसेटी में प्रशिक्षित कृषि स्वावलंबन उद्यमी योजना (एग्रीजंक्शन) के चयनित 19 लाभार्थियों का 13 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा0 रमेश चन्द्र यादव, आरसेटी के निदेशक उपेन्द्र कुमार एवं कृषि वैज्ञानिक डा. राजीव सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया। लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुए उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है, कृषि स्नातक बेरोजगारो को प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें निःशुल्क बीज, खाद एवं उर्वरक का लाइसेंस प्रदान कर हर ब्लाक में एक ही क्षत के नीचे सभी कृषि निवेशों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता वाले सारे कृषि निवेशों के साथ उचित परामर्श भी प्राप्त होंगे जिससे किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी और कृषि स्नातक बेरोजगारो को रोजगार भी मिलेगा। कृषि वैज्ञानिक डा. राजीव सिंह ने मृदा प्रबंधन, पौध पोषण एवं फसल सुरक्षा की जानकारी दिए। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक दुवे ने किया अन्त में आभार ज्ञापन निदेशक उपेन्द्र कुमार ने किया। इस मौके पर पटल सहायक मुजफ्फर अली सहित चयनित 19 लाभार्थी मौजूद रहे।

स्व राजपति और स्व केवला राजपति मिश्रा की पुण्यतिथि मनाई गई

नवी मुंबई। नवी मुंबई के सानपाड़ा स्थित सेक्टर 16 में रहने वाले समाजसेवी अरुण मिश्र के माता पिता स्व.राजपति मिश्र और स्व.केवला राजपति मिश्रा की पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित की और अरुण कुमार मिश्र भाई अरविंद मिश्र, अनिल मिश्र, रविन्द्र मिश्र और शारदा त्रिपाठी, पुष्पा शुक्ला,कुसुम दुबे,अंजू मिश्र ने श्रद्धा सुमन के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारी बारिश से कुंभारवाडा में घुसा बाढ़ का पानी, स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने की मदद

पनवेल(उत्तरशक्ति)। हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के चलते पनवेल के कुंभारवाडा इलाके में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस संकट की घड़ी में स्थानीय लोगों ने मिलकर तत्परता से सहायता कार्य शुरू किया। साथ ही भाजपा नगरसेविका रेणुका मोहकर, शिवसेना के शाखाप्रमुख किरण कळवेकर, नरेंद्र पनवेलकर, विश्वास कळवेकर, रितेश पवार, प्रतीक वाजेकर और अभिजित घाग ने मिलकर बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए बड़े पैमाने पर नाश्ता, चाय और भोजन की व्यवस्था की। स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर किए गए इन राहत कार्यों से कुंभारवाडा के नागरिकों को बड़ी राहत मिली। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में अभी भी सहायता कार्य जारी हैं।

कार्यशाला में हुआ उपनिदेशक का अभिनंदन

खाटू श्याम। खाटू नगरी में विश्व आयुर्वेद परिषद राजस्थान चिकित्सक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित नाड़ी परीक्षण एवं विश्वकर्म राष्ट्रीय कार्यशाला में सोमवार को उपस्थित हुए झुन्झूनूँ जिले के उपनिदेशक डॉ जितेन्द्र स्वामी का कार्यशाला से जुड़े डॉ रीडमल सिंह , डॉ महेश इन्द्रा व डॉ जितेन्द्र वर्मा ने मंच के माध्यम से उनका स्वागत किया इस दौरान डॉ जितेन्द्र स्वामी ने नाडी परीक्षण विषय में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस विद्या का मेरा भी अनुभव खास रहा है पर बराबर जुड़ाव नहीं हो पाने से मुक्कमल ज्ञान नहीं ले पाया आर आज मुझे यह देखकर खुशी है कि लुप्त हो रही इस विद्या को फिर से चिकित्सा क्षेत्र में जोड़ने एक सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मिल रहे विस्तृत ज्ञान की सराहना की और कहा आज के समय में इसकी महती आवश्यकता है ।हो रहे शोध में इसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है।

राजन नाइक को एमएमआरडीए आयुक्त ने दिया आश्वासन

वसई-विरार में चार फ्लाईओवर के लिए अगली बैठक में 800 करोड़ का प्रस्ताव

वसई रोड। वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही यातायात की समस्याओं को सुलझाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने भाजपा विधायक राजन नाइक को आश्वासन दिया है कि रेलवे लाइन पर बनने वाले चार फ्लाईओवर के लिए 800 करोड़ रुपये का प्रस्ताव एमएमआरडीए की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

यह फैसला उस विशेष बैठक के बाद आया है, जो 16 जुलाई को विधान भवन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने एमएमआरडीए को वसई-विरार में आवश्यक फ्लाईओवर के लिए निधि स्वीकृति की दिशा में कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

विधायक राजन नाइक ने शुक्रवार को आयुक्त डॉ. मुखर्जी से मुलाकात कर क्षेत्र की यातायात समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने चार प्रमुख लोकेशनों पर फ्लाईओवर की मांग दोहराई झ उमेलमान (नायगांव-वसई रोड), अलकापुरी (वसई रोड-नालासोपारा), ओसवाल नगरी एवं विराट नगर (नालासोपारा-विरार)। इन सभी स्थानों पर रेलवे लाइन के ऊपर फ्लाईओवर प्रस्तावित हैं।

राजन नाइक ने बताया कि वसई-विरार को एमएमआरडीए में 1988 में शामिल किए जाने के बावजूद, बीते 36 वर्षों में इस क्षेत्र में केवल 100 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने भविष्य में इस उपेक्षित क्षेत्र को प्राथमिकता देने की मांग की। नाइक ने सांसद डॉ. हेमंत सावरा के सहयोग से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर फ्लाईओवर के सामान्य डिजाइन को मंजूरी दिलवाई थी। अब उन्होंने एमएमआरडीए से वित्तीय स्वीकृति की प्रक्रिया को तेज करने का आग्रह किया है। जिला महासचिव मनोज बारोट ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रस्ताव पास होने के बाद वसई-विरार की यातायात समस्या काफी हद तक सुलझ जाएगी।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने मुंबई, महाराष्ट्र में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

मुंबई। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को मुंबई तक पहुँचाया है, जिसमें शारदाश्रम विद्यामंदिर इंटरनेशनल स्कूल एंड जूनियर कॉलेज और के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के छात्र शामिल हुए। 2300 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ, इस पहल का उद्देश्य संरचित प्रशिक्षण और इंटरैक्टिव शिक्षण के माध्यम से ज़िम्मेदारी से सड़क उपयोग की संस्कृति को मजबूत करना है।

कार्यक्रम ने शुरूआती शिक्षा के महत्व पर जोर दिया ताकि भविष्य के राइडर्स और जिम्मेदार नागरिक तैयार हों। छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रैक्टिकल पहलुओं से परिचित कराया गया, जैसे सही हेलमेट पहनना, ट्रैफिक सिग्नल फॉलो करना, पैदल चलने वालों का ध्यान रखना और असली जीवन में रिस्क का अंदाजा लगाना। एचएमएसआई ने प्रतिभागियों को सुरक्षा को सिर्फ नियमों के पालन के बजाय एक लाइफस्टाइल के तौर पर अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो खुद और दूसरों दोनों की सुरक्षा करता है। ऐसी कैंपेन के माध्यम से, एचएमएसआई युवा राइडर्स में सड़क पर जिम्मेदारी की सोच विकसित करने की एक अहम जरूरत को पूरा कर रहा है। इसका मकसद सिर्फ जागरूकता पैदा करना नहीं है, बल्कि लंबी अवधि में व्यवहार में बदलाव लाना है, ताकि सही निर्णय लेना एक रूटीन बन जाए। स्कूल और कॉलेज से जुड़कर, एचएमएसआई यह सुनिश्चित करता है कि युवा आवाजें यह संदेश घरों और समुदायों तक भी पहुंचाएं, जिससे इसका असर सीधे प्रतिभागियों से कहीं आगे बढ़ जाए। मुंबई में यह पहल एचएमएसआई के उस बड़े प्रयास का हिस्सा है, जिसमें सड़क सुरक्षा शिक्षा को समाज के हर स्तर पर शामिल करने की कोशिश की जा रही है। हर गतिविधि एचएमएसआई के लगातार चल रहे प्रयासों को मजबूत बनाती है, ताकि सुरक्षा शिक्षा आसान, समझने योग्य और असरदार हो, और ऐसी पीढ़ी तैयार हो जो मोबाइलिटी में जिम्मेदारी को केंद्र में रखे। ये लगातार चल रही पहलकदमियां यह याद दिलाती हैं कि सड़क पर सोच-समझकर किया गया हर कदम सिर्फ खुद की सुरक्षा नहीं करता, बल्कि आसपास सभी की सुरक्षा में भी योगदान देता है।

BAPS संस्था द्वारा सम्पूर्ण मुंबई सहित महाराष्ट्र में आयोजित हुआ रक्तदान महायज्ञ

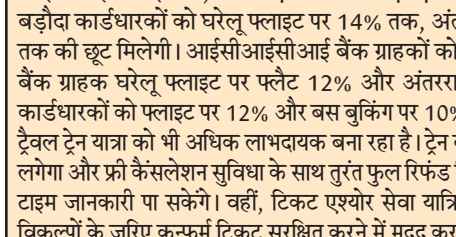

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के साथ साथ समाजसेवा के बहुविध क्षेत्रों में अपना अमूल्य योगदान देने वाली विश्वप्रसिद्ध BAPS संस्था द्वारा भगवान स्वामिनारायण के सप्तम अनुगामी परम पूज्य महंतस्वामी महाराज के 92वें जन्मदिवस के निमित्त मुंबई के पंद्रह से अधिक परिक्षेत्रों सहित नासिक और पुणे के इअढर मंदिरों में बड़े पैमाने पर रक्तदान महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस महायज्ञ में 1700 से अधिक भक्तों ने 6,00,000 सीसी से भी अधिक रक्तदान कर गुरु-भक्ति का अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवर भी उपस्थित रहे। समाजसेवा की इस उत्तम घड़ी में राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री मंगलप्रभात लोढ़ा, कांदिवली पूर्व के विधायक श्री अतुल भातखलकर, चारकोप क्षेत्र की नगरसेविका श्रीमती संध्या दोशी, दहिसर पूर्व के नगरसेवक हर्षद कारकर, पूर्व लोकपाल एवं प्रधान सचिव श्री दिनेशकुमार जैन तथा प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक अभिनेता श्री दिलीप जोशी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि इअढर संस्था पूरे विश्व में 160 से अधिक समाजसेवा की गतिविधियाँ करती है। संस्था ने अब तक 9 अस्पतालों और 15 से अधिक मोबाइल चिकित्सा केंद्रों द्वारा 42 लाख से भी अधिक रोगियों का उपचार किया है। साथ ही देश और विदेश में अनेक सत्संग केंद्रों के माध्यम से रक्तदान, अंगदान और बोन मैरो दान के प्रति जन-जागरूकता फैलाई है। मेडिको-स्पिरिचुअल कॉन्फ्रेंसों द्वारा डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की मूल्यनिष्ठा में वृद्धि की है। स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा, पर्यावरण, बाल-युवा एवं महिला संस्कार जैसे अनेकों क्षेत्रों में योगदान दिया है।

इतना ही नहीं, भूकंप, सुनामी, रेल राहत कार्य, यूक्रेन-रूस युद्ध, अहमदाबाद विमान दुर्घटना जैसी प्राकृतिक या मानवसर्जित आपदाओं में भी संस्था ने महत्वपूर्ण सेवा और सहायता कार्य किए हैं। विदेशों में भारतीय संस्कृति का गौरव बढ़ाने वाले अबूधाबी हिन्दू मंदिर, रॉबिन्सविल अक्षरधाम महा-मंदिर तथा दिल्ली स्थित स्वामिनारायण अक्षरधाम भी इसी संस्था की देन है। मीरा रोड में भी बिए,पीएस स्वामी नारायण मंदिर दादर से परम पूज्य प्रश्न मुनि स्वामी जी संतो के साथ पधारे हुए थे। जहां पर पूरा दिन कार्यक्रम चलता रहा, और 317 बोतल ब्लड मीरा रोड मंदिर में दान हुआ, इस मौके पर चंद्रकांत मदी, सागर साईं और नागजी भाई, दिनेश डुंगरानी, जयंती मकवाना, रमन राठौर, गणेश भाई, प्रवीण पटेल, ने अपना अमूल सहयोग एवं योगदान दिया।

पेटीएम ट्रैवल ने ह्यमहा कार्निवल सेल शुरू किया

मुंबई। पेटीएम ने महा कार्निवल सेल की घोषणा की है। इसके तहत त्योहारी सीजन में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट व बस बुकिंग पर यात्रियों को 20% तक की बचत मिलेगी। पेटीएम ट्रैवल ने बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, आरबीएल बैंक और एचएसबीसी जैसे प्रमुख बैंकों के साथ साझेदारी की है। बैंक ऑफ बड़ौदा कार्डधारकों को घरेलू फ्लाइट पर 14% तक, अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट पर 10% तक और बस बुकिंग पर 20% तक की छूट मिलेगी। आईसीआईसीआई बैंक ग्राहकों को फ्लाइट पर 10% तक की छूट उपलब्ध होगी। आरबीएल बैंक ग्राहक घरेलू फ्लाइट पर फ्लैट 12% और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट पर 10% की छूट ले सकते हैं। चएसबीसी कार्डधारकों को फ्लाइट पर 12% और बस बुकिंग पर 10% तक की छूट मिलेगी। फ्लाइट और बसों के अलावा, पेटीएम ट्रैवल ट्रेन यात्रा को भी अधिक लाभदायक बना रहा है। ट्रेन बुकिंग पर यूपीआई से भुगतान करने पर कोई गेटवे शुल्क नहीं लगेगा और फ्री कैंसलेशन सुविधा के साथ तुरंत फुल रिफंड मिलेगा। यात्री लाइव रनिंग स्टेटस और पीएनआर जैसी रियल-टाइम जानकारी पा सकेंगे। वहीं, टिकट एश्योर सेवा यात्रियों को पास के स्टेशन या लचीली यात्रा तिथियों जैसे स्मार्ट विकल्पों के जरिए कन्फर्म टिकट सुरक्षित करने में मदद करती है। पेटीएम ट्रैवल अपनी सेवाओं का विस्तार कर हर चरण की यात्रा में सहयोग कर रहा है। हाल ही में कंपनी ने ट्रैवल पास पेश किया है, जो फ्रीक्वेंट फ्लायर्स को लागत लाभ, फ्री कैंसलेशन और ट्रैवल इंश्योरेंस देता है। ठहराव विकल्प बढ़ाने के लिए, पेटीएम ने Agoda के साथ होटल बुकिंग को इंटीग्रेट किया है, जिससे यात्रियों को भारत और विदेश में हजारों ठहराव विकल्प मिलते हैं।